INDEX

Sr. No.	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1) Microteaching Lessons			Rajkala
1. भारत का संविधान	12/11/2010	1-4	
2. अशोक	13/11/2010	5-8	
3. यातायात के साधन	15/11/2010	9-12	
4. हड़प्पा सभ्यता	16/11/2010	13-16	
5. उद्योग	18/11/2010	17-20	
2) Mega Lessons			
1. राष्ट्रवाद का विकास	19/11/2010	21-26	
2. भारत में वस्त्र उद्योग	20/11/2010	27-33	
3. उपभोक्ता जागरूकता	21/11/2010	34-40	
4. महात्मा बुद्ध	22/11/2010	48-54	
5. रेगिस्तान	23/11/2010	55-60	
3) Discussion Lesson-I			
भारत और उसके पड़ोसी राष्ट्र	25/11/2010	61-70	
4) School Teaching Practice Lessons			
1. खनिज पदार्थ	26/11/2010	71-76	
2. लघु उद्योग	27/11/2010	77-82	
3. संचार के साधन	29/11/2010	83-88	
4. जल मण्डल	30/11/2010	89-93	
5. महावीर स्वामी व उनकी शिक्षाएं	1/12/2010	94-99	
6. पृथ्वी की आंतरिक संरचना	2/12/2010	100-106	
7. राजा राममोहन राय	3/12/2010	107-113	
8. भारतीय अर्थ-व्यवस्था	4/12/2010	114-119	
9. मौलिक अधिकार	6/12/2010	120-126	
10. भारत में पिछड़े होने के कारण	7/12/2010	127-133	
11. संसद	8/12/2010	134-140	
12. मिट्टी	9/12/2010	141-147	
13. वनों के लाभ	10/12/2010	148-154	
14. आदि मानव	11/12/2010	155-161	
15. बैंकों के लाभ	13/12/2010	162-168	
16. मानचित्र	14/12/2010	169-175	
17. राष्ट्रीय प्रतीक	15/12/2010	176-182	
18. ग्राम पंचायत	16/12/2010	183-189	
19. स्वामी दयानंद	18/12/2010	190-196	
20. हमारे चारों ओर की वायु	19/12/2010	197-203	
5) Discussion Lesson-II			Rajkala
1857 की क्रांति	20/12/2010	204-113	
6) Observation Lessons			
7) School Report			

MICRO TEACHING LESSONS

Lesson No : 1

Date 12/11/2010 | Duration of the period 35 मिनट
Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No 509
Class 10 | Average Age of the pupils 16 years
Subject सामाजिक अध्ययन | Topic भारत का संविधान

प्रश्न कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भारतीय संविधान सभा का गठन कब और किसके अन्तर्गत हुआ ? (शाबाश)	भारतीय संविधान का गठन 1964 में कैबनेट मिशन प्लान के अन्तर्गत हुआ।
भारतीय संविधान के प्रारूप समिति का अध्यक्ष किसे चुना गया ?	भारतीय संविधान के प्रारूप समिति का अध्यक्ष डा० भीम राव अम्बेडकर को चुना गया

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भारतीय संविधान को बनाने में कुल कितना समय लगा ?	भारतीय संविधान को बनाने में 2 साल, 11 महीने, 18 दिन लगे।
(बहुत अच्छा)	
भारत का संविधान कैसा है ?	भारत का संविधान लिखित है।
(ठीक है)	
संविधान की प्रस्तावना को क्या कहा जाता है ?	संविधान की प्रस्तावना को 'संविधान की कुँजी' कहा जाता है।
(शाबाश)	
वर्तमान समय में भारतीय संविधान में कितने अनुच्छेद और अनुसूचियाँ है ?	वर्तमान समय में भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां हैं।

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
क्या भारतीय संविधान में संशोधन किए जा सकते हैं ?	जी हाँ, भारतीय संविधान में संशोधन किए जा सकते हैं।
(बहुत अच्छा)	
विश्व में सबसे लम्बा संविधान किस देश का है ?	विश्व में सबसे लम्बा संविधान भारत का है।
(ठीक है)	
भारत का संविधान कब लागू हुआ ?	भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।
(शाबाश)	
भारत का संविधान कठोर है अथवा लचीला ?	भारत का संविधान कुछ मामलों में कठोर है और कुछ मामलों में लचीला।

क्रम सं.	घटक	रेटिंग स्केल						
1.	सार्थकता	0	1	2	(3)	4	5	6
2.	संक्षिप्तता	0	1	2	(3)	4	5	6
3.	विशिष्टता	0	1	2	3	(4)	5	6
4.	स्पष्टता	0	1	2	(3)	4	5	6
5.	व्याकरणिक शुद्धता	0	1	2	(3)	4	5	6

Rajkala

Lesson No :- 2

Date 13/11/2010 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 7th | Average Age of the pupils 13 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic अशोक

व्याख्या कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
अशोक बिन्दुसार का पुत्र और चन्द्रगुप्त मौर्य का पोता था। वह मौर्य वंश का तीसरा सम्राट तथा अपने वंश का सबसे प्रतापी और प्रसिद्ध राजा था। अशोक का जन्म 302 ई० पू० के लगभग हुआ। 18 वर्ष की आयु में उसे उज्जैन और बाद में तक्षशिला का राज्यपाल नियुक्त कर दिया था।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुने
अशोक का जन्म कब हुआ?	अशोक का जन्म 302 ई० पूर्व
अशोक किस वंश से संबंधित थे?	अशोक मौर्य वंश से संबंधित

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
२७३ ई० पूर्व मे बिन्दुसार की मृत्यु के बाद अशोक राजगद्दी पर बैठा लेकिन उनका राज्याभिषेक चार साल बाद २६९ ई० पूर्व में हुआ। बौद्ध ग्रन्थों के अनुसार अशोक ने अपने मंत्री राधा-गुप्त की सहायता से अपने ९९ भाइयों को मारकर राजगद्दी प्राप्त की थी।	सभी छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका मे लिखेंगे।
अशोक का राज्याभिषेक कब हुआ ?	अशोक का राज्याभिषेक २६९ ई० पूर्व हुआ।
अशोक एक महत्वाकांक्षी साम्राज्यवादी शासक था। उसने अपने साम्राज्य का विस्तार करने के लिए एक विशाल सेना लेकर २६१ ई० पूर्व कलिंग (वर्तमान उडीसा) पर आक्रमण कर दिया। मैगस्थनीज के अनुसार उसके पास ६० हजार पैदल, १००० घुडसवार तथा ७०० हाथी थे। कलिंग की सेना ने अपने देश की रक्षा के लिए	

वांछित घटक

क्रमांक	घटक	रेटिंग स्केल						
1.	उपयुक्त प्रारम्भिक और निष्कर्ष कथनों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
2.	व्याख्या सेतुओं का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
3.	आवश्यक बिंदुओं पर ध्यान देना।	0	1	2	3	4	5	6
4.	बोध परीक्षण	0	1	2	3	4	5	6

अवांछित घटक

क्रमांक	घटक	रेटिंग स्केल						
1.	निरर्थक कथनों का प्रयोग	0	1	2	(3)	4	5	6
2.	कथनों में निरन्तरता या तारतम्यता का प्रयोग	0	1	2	(3)	4	5	6
3.	प्रवाहिकता का अभाव	0	1	2	3	(4)	5	6
4.	अनुपयुक्त शब्दावली और अस्पष्ट शब्दों अथवा मुहावरों का प्रयोग।	0	1	2	3	(4)	5	6

Lesson No :..................

Date 15/11/2010 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 6th | Average Age of the pupils 11 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic यातायात के साधन

उदाहरण कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
अर्थ :→ यातायात के साधनों से अभिप्राय ऐसे साधन जो मनुष्य के सामान या किसी भी चीज को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में सक्षम हो। इन साधनों के बिना आधुनिक जीवन रुक जाएगा।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बच्चों यातायात के कुछ साधनों के नाम बताओ ?	बस, कार, स्कूटर, रेलगाड़ी, जीप आदि।
(शाबाश)	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
यातायात के साधनों में सबसे ज्यादा माल ढोने के काम में ट्रक व रेलों का प्रमुख स्थान है। भारत भौगोलिक रूप से विस्तृत है जिसके नागरिकों की आवश्यकताओं व विकास के लिए ये साधन महत्वपूर्ण है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
सामान ढोने के लिए किस वाहन का प्रयोग ज्यादा होता है ? (बहुत अच्छे)	ट्रक व रेल का।
पहले यातायात का इतना विकास नहीं हुआ था। लोग या तो ज्यादातर पैदल यात्रा करते थे या बैलगाड़ी या घोड़ा-गाड़ी का प्रयोग करते थे।	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
आजकल पहले की तुलना में विकासित यातायात के साधनों के उदाहरण बताओ ?	हवाई जहाज, रेल, ट्रक ।
(ठीक है)	
यातायात के साधन कुछ इस तरह के है - जल यातायात, वायु यातायात, थल यातायात, रेल यातायात इत्यादि ।	
जलयातायात के मुख्य साधन बताओ ?	जलपोत, समुद्री जहाज ।
किसी एक मुख्य बन्दरगाह का नाम बताओ ?	विशाखापट्टनम
(शाबाश)	Rajkala
वायुयातायात के साधन इस प्रकार है - हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर ।	

Lesson No : 4

Date: 16/11/2010 | Duration of the period: 35 मिनट

Pupil Teacher's Name: Kavita | Pupil Teacher's Roll No.: 509

Class: 8th | Average Age of the pupils: 13

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: हड़प्पा सभ्यता

उद्दीपन कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बच्चों आप सब जानते हैं कि हड़प्पा सभ्यता भारत की सब से प्राचीन सभ्यता थी। इस सभ्यता की खोज ने भारतीय इतिहास में एक नए युग का श्री गणेश किया।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
हड़प्पा सभ्यता के कुछ प्रमुख केन्द्रों के नाम बताओ?	मोहन जोदड़ो तथा भारत में संघोल कालीबंगान, मितापल, आलमगीरपुर और लोथल हैं।
हड़प्पा सभ्यता की नगर योजना बड़ी उच्च कोटि की थी। मकान क्रमानुसार बनाए जाते थे।	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हड़प्पा सभ्यता में महिलाओं को कैसा स्थान प्राप्त था?	महिलाओं को उच्च स्थान प्राप्त था।
(शाबाश)	
हड़प्पा सभ्यता के लोगों का आर्थिक जीवन बहुत समृद्ध था। उनके मुख्य व्यवसाय कृषि तथा पशु-पालन थे। उनका आंतरिक तथा विदेश व्यापार बहुत उन्नत था।	
हड़प्पा सभ्यता के लोग किन देवी-देवताओं की पूजा करते थे?	सबसे अधिक देवी माता की इसके अतिरिक्त शिव, पशु- वृक्षों, सूर्य आदि की भी पू करते थे।
(बहुत अच्छे)	
हड़प्पा सभ्यता के लोगों ने कला के क्षेत्र में भी पर्याप्त उन्नति की थी। वे कई प्रकार की मूर्तियाँ, आभूषण, बर्तन, खिलौने आदि निर्मित करते थे। वे मुहरें बनाने में भी निपुण थे।	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हड़प्पा संस्कृति की जानकारी का मुख्य स्रोत क्या है?	इस संस्कृति की जानकारी का मुख्य स्रोत पुरातात्विक सामग्री है।
(ठीक है)	
पुरातत्वविद अतीत का पुनर्निर्माण करने के उद्देश्य से प्राचीन स्थलों का उत्खनन करते हैं। इससे वे विभिन्न प्रकार की पुरावस्तुएं जैसे मृद्भाण्ड, आभूषण, औजार मुहरें, अभिलेख एवं भवन आदि प्राप्त करते हैं।	
पुरावस्तुओं का किसके द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाता है?	विभिन्न विद्वानों के द्वारा पुरावस्तुओं का विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
(शाबाश)	
इन विद्वानों द्वारा निकाले गए निष्कर्षों के आधार पर पुरातत्वविद अतीत का पुनर्निर्माण करते हैं।	

घटक	रेटिंग स्केल						
शरीर का संचालन	0	1	2	**(3)**	4	5	6
हाव-भाव	0	1	2	**(3)**	4	5	6
आवाज का उतार-चढ़ाव	0	1	2	3	**(4)**	5	6
भाव केन्द्रीयकरण	0	1	2	**(3)**	4	5	6
शिक्षक-विद्यार्थी के अंतः-क्रिया के रूप में परिवर्तन	0	1	2	**(3)**	4	5	6
विराम प्रयोग	0	1	2	3	**(4)**	5	6
सहभागिता	0	1	2	**(3)**	4	5	6

Rajkala

Lesson No : 5

Date: 18/11/2010 | Duration of the period: 35 मिनट
Pupil Teacher's Name: Kavita | Pupil Teacher's Roll No.: 509
Class: 9th | Average Age of the pupils: 15 वर्ष
Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: उद्योग

पुनर्बलन कौशल

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
उद्योग का संबंध आर्थिक गतिविधि से है, जो कि वस्तुओं के उत्पादन खनिजों के निष्कर्षण अथवा सेवाओं की व्यवस्था से संबंधित है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
उद्योग का संबंध किससे है?	उद्योग का संबंध आर्थिक गतिविधियों से है।
उद्योग में बहुत से उद्योग आते हैं, इनमें से लोहा और इस्पात उद्योग वस्तुओं के उत्पादन से संबंधित है। कोयला खनन उद्योग कोयले को धरती से निकालने से संबंधित है।	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
लोहा और इस्पात उद्योग किससे संबंधित है ?	वस्तुओं से संबंधित है।
उद्योगों का वर्गीकरण कच्चा माल, आकार और स्वामीत्व के आधार पर होता है। कच्चे माल के उपयोग के आधार कृषि, खनिज, समुद्र और वन है।	
उद्योगे के वर्गीकरण का आधार क्या है ?	कच्चा माल, आकार, स्वामीत्व का आधार है।
(शाबाश)	
कच्चा माल कहाँ से प्राप्त होता है ?	कृषि, समुद्र, खनिज और वनो से प्राप्त होते है।
(खुशी का माहौल बनाते हुए बच्चों में उत्साह प्रेरित करते हुए)	

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
कृषि पर आधारित कच्चे माल का कोई उदाहरण दीजिए।	वनस्पति तेल, सूती वस्त्र डेयरी उत्पाद और चर्म उद्योग कृषि आधारित उद्योग है।
(विद्यार्थी को सुझाव का समर्थन देते हुए) बहुत अच्छा	
कृषि उद्योग पर आधारित सूती वस्त्र बनाने का मुख्य स्त्रोत क्या है?	कपास से संबंधित है।
(ठीक है)	
भारत में पहली सूती मील कब और कहाँ खोली गई?	1859 ई० अहमदाबाद में खोली गई।
(शाबाश)	

क्रमांक	घटक	रेटिंग स्केल						
1.	स्वीकारात्मक कथनों का प्रयोग	0	1	(2)	3	4	5	6
2	शरीर संचालन	0	1	(2)	3	4	5	6
3.	आवाज का उतार-चढ़ाव	0	1	2	(3)	4	5	6
4.	ध्यान केन्द्रीकरण	0	1	2	(3)	4	5	6
5.	शिक्षक विद्यार्थी में अन्तः क्रिया के प्रारूप में परिवर्तन	0	1	(2)	3	4	5	6
6.	दृश्य-श्रव्य क्रम में परिवर्तन विराम प्रयोग	0	1	2	(3)	4	5	6
7.	विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन	0	1	(2)	3	4	5	6

Rajkala

MEGA TEACHING LESSONS

Lesson No : 1

Date: 19/11/2010	Duration of the period: 35 मिनट
Pupil Teacher's Name: Kavita	Pupil Teacher's Roll No: 509
Class: IXth	Average Age of the pupils: 16 वर्ष
Subject: सामाजिक अध्ययन	Topic: राष्ट्रवाद

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

- विद्यार्थी राष्ट्रवाद के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रवाद के विकास का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी राष्ट्रवाद के बारे मे उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

- विद्यार्थी राष्ट्रवाद के मुख्य अंश के बारे में बताने योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी राष्ट्रवाद का विकास का निष्कर्ष निकालने व अपने दैनिक जीवन में अपना सकेंगे।

- विद्यार्थी राष्ट्रवाद का विकास विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रवाद का विकास का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतक, ~~चार्ट~~ आदि।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, मॉडल, चित्र

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बच्चों आपको सभी सुविधाएँ कहाँ से मिलती है?	राज्य से।
राज्य के प्रति आपकी कैसी भावना है?	प्रेम की भावना।
राष्ट्रवाद से आप क्या समझते है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम भारत में रा[ष्ट्रवाद] का विकास के विषय में विस्तार पू[र्वक] अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामप[ट्ट]
	बच्चों हम लोग 1858 ई० में राष्ट्र-वाद के विकास के विषय में बताएगें। जो हमारे भारत में 1858 में विकास का।	सभी बच्चे मौन बैठेंगे।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	(छात्र-क्रियाएं)
आधुनिक उपनिवेश उद्योग व व्यापार	भारत में राष्ट्रवाद का विकास 1858 ई० के बाद बहुत नए भारत का विकास हुआ। भारत वासियों में एक नई चेतना जागी जो विशुद्ध रूप से भारतीय थे। अंग्रेजो ने भारत में यातायात और संचार के आधुनिक साधन आरम्भ किए। भारत के विभिन्न भागों को एक-दूसरे स्थाई तथा बड़े पैमाने पर आधुनिक उपनिवेश उद्योग व व्यापार शुरू किया। इस प्रकार भारत एक आकर्षित आर्थिक उपनिवेश बनकर रह गया था। अब ब्रिटिश उद्योग में निर्मित माल का बाजार बन गया था।	सभी छ ध्यानपूर्व बैठेंगे अपनी क पर लिखे
बोध परीक्षण:	भारत में राष्ट्रवाद का विकास कब हुआ?	1858 ई० में
रेल, सड़के टेलीग्राम:	इस समय रेलों, सड़कों टेलीग्राम और डाकघरों की स्थापना की गई। इन कार्यों के पीछे भी मूल उद्देश्य व्यापारिक दृष्टि से भारत का विकास हुआ तथा यातायात	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	और संचार के उन्नति साधनों से भारतवासियों को भी लाभ पहुँचा और वह सफलतापूर्वक एक-दूसरे से सम्पर्क स्थापित कर सकते थे।	
बोध परीक्षण	किन साधनों से भारतवासियों को लाभ पहुँचा ?	यातायात और संचार साधनों से
प्रशासनिक और राजनीतिक एकता	अंग्रेजो ने भारत में केन्द्रीयकृत समरूप और आधुनिक शासन व्यवस्था की बल स्थापित की जिसमें भारत में कानूनी प्रशासनिक और राजनीतिक एकता को बल दिया। अंग्रेजो द्वारा आरम्भ किए गए एकीकृत शासन से भारतीय एक सूत्र में बंधे तथा उनमें उत्पीडन के प्रति जागरूकता आई उत्पीड़ित लोग संगठित हो गए जिससे राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन मिला।	
बोध परीक्षण	किसके कारण भारतीयों में जागरूकता आई ?	राष्ट्रवाद के विकास के कारण।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
आधुनिक शिक्षा का आरम्भ:	राष्ट्रवाद के विकास में आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंग्रेज प्रचारकों, ब्रिटिश सरकार और प्रबुद्ध भारतीय के प्रयासी से भारत में आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा का सूत्रपात पाया गया। राजनीतिक प्रशासनिक और आर्थिक आवश्यकता की पूर्ति के लिए अंग्रेजी शिक्षा का सूत्रपात किया गया था।	सभी छ ध्यानपू सुनेंगे
बोध परीक्षण	राष्ट्रवाद के विकास में किसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?	आधुनि पाश्चात्य शिक्षा ने
	अंग्रेजी शिक्षा ने दलालों और छोटे कर्मचारियों की उपलब्धि कराई जो कि भारत में अंग्रेजी प्रशासन को चलाने में सहायता दे सकते थे तथा कुछ अंग्रेजों की धारणा थी कि श्रेष्ठ शिक्षा प्राप्त भारतवासी सभ्य बनेंगे तथा उनकी धारणा था कि अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतवासी प्रसन्नता-पूर्वक और स्वेच्छा से ब्रिटिश शासन को स्वीकार कर लेंगे।	

पुनरावृत्ति :→

- भारत में राष्ट्रवाद का उदय कैसे हु
- राष्ट्रवाद के विकास से भारतीयों के जीवन में कैसे सुधार हुआ ?
- राष्ट्रवाद के विकास से भारतीयों क्या-क्या लाभ हुए ?

गृहकार्य :→

- सभी बच्चें राष्ट्रवाद का विकास अर्थ और उसके महत्व को अपनी कॉपियों में लिखेंगे व याद करेंगे।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajbala

हस्ताक्षर

Lesson No : 2

Date: २०।११।२०१० | Duration of the period: 35 मिनट
Pupil Teacher's Name: Kavita | Pupil Teacher's Roll No.: 509
Class: IXth | Average Age of the pupils: 15 वर्ष
Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: भारत में वस्त्र उद्योग

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :

- विद्यार्थी वस्त्र उद्योग के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।
- विद्यार्थी वस्त्र उद्योग का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।
- विद्यार्थी वस्त्र उद्योग के विषय में उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
- विद्यार्थी वस्त्र से होने वाली समस्याओं के बारें में बताने की योग्यता रखते होंगे
- विद्यार्थी वस्त्र उद्योग के बारें में और आयात तथा निर्यात का निष्कर्ष
- निकालने व अपने दैनिक जीवन में अपना सकेंगे।
- विद्यार्थी वस्त्र उद्योग का संश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी वस्त्र उद्योग का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →
सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक, ~~और~~ ~~[illegible]~~
विशिष्ट सामग्री → मॉडल, चार्ट, चित्र आदि

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्राचीन काल में लोग अपने शरीर को कैसे ढकते थे ?	पेड़ों के पत्तों और छालों से
भारत में प्रारम्भ में कौन २ से उद्योग को बढ़ावा दिया गया ?	लघु उद्योग और कुटीर उद्योग ।
भारत में किस प्रकार के वस्त्रों का उद्योग विकसित अत्यधिक हुआ ?	असंतोषजनक उत्तर ।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों, आज हम भारत में सूती उद्योग तथा उत्पादन के बारे में विस्तारपूर्वक अ… करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :→

छात्रों की परख

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	
	भारत का सूती वस्त्र उद्योग काफी पुराना है, एक समय था जब समय में सूती वस्त्रों के यूरोप तथा मध्य पूर्व में काफी माँग थी		

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रिया
	उस समय यह केवल ग्रामीण अथवा कुटीर उद्योग था। उस समय चरखा ही एक मात्र स्थान था।	छात्र ध्यान पूर्वक सुने
	कपास, ऊन, रेशम तथा जूट वस्त्र उद्योग के लिए कच्चा माल है। कपास और जूट प्रत्यक्ष रूप से मृदा से मिलते हैं। रेशम और ऊन अप्रत्यक्ष रूप से मिलता है, सूती वस्त्र उद्योग भारत का बहुत पुराना उद्योग है। कृषि के पश्चात् सबसे अधिक रोजगार इसी उद्योग में मिलता है। सूती वस्त्र उद्योग उत्पादन में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है।	
	सूती वस्त्र उद्योग में भारत का विश्व का कौन-सा स्थान था?	दूसरा स्थान
	आधुनिक वस्त्र उद्योग का आरम्भ 19वीं शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में हुआ। कोलकाता के निकट फोर्ट ग्लोस्टर में पहली सूती मिल की स्थापना की गई। आरम्भ में इस उद्योग का आरम्भ 1854 में हुआ था।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	[छात्र क्रियाएं]
	इस वर्ष भारत पूंजी से एक सूती मील की स्थापना मुम्बई में की गई आज सूती वस्त्र उद्योग भारत का सबसे बड़ा उद्योग था। देश में सूती वस्त्र उद्योग के लगभग ७१% कारखाने निजी क्षेत्र में तथा शेष सार्वजनिक सहकारी क्षेत्र में देश का ९३% सूती कपड़ा विकेन्द्रीकृत क्षेत्र में तैयार होता है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे
बोध परीक्षण:	आधुनिक वस्त्र उद्योग का आरंभ किस शताब्दी में प्रारम्भ हुआ?	१९वीं शताब्दी में।
	(बहुत अच्छे)	
	हमारे सूती उद्योग के दो क्षेत्र हैं। एक ओर तो हमारा प्रारंभिक खादी क्षेत्र जिसमें कातने तथा बुनने का काम हाथ से किया जाता है, दूसरी ओर भारी पूंजी से लगे मिले हैं, जिसमें तेज गति से बड़ी- बड़ी मशीनों द्वारा काम किया जाता है, सूती वस्त्र उद्योग में महाराष्ट्र तथा गुजरात अग्रणी राज्य है। इस उद्योग के दो प्रमुख केन्द्र मुम्बई तथा अहमदाबाद है।	सभी छा ध्यान पूर्व सुनेंगे व उत्तरपुस्ति में उतारे

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
बोध परीक्षण:	सूती वस्त्र उद्योग के लिए दो प्रमुख राज्यों के नाम बताओ ? (शाबाश)	महाराष्ट्र और अहमदाबा
	महाराष्ट्र में नागपुर, पश्चिमी बंगाल में कोलकाता, तमिलनाडु में कोयम्बटूर, उत्तर प्रदेश में सही तथा मध्य प्रदेश में इन्दौर इस उद्योग के अन्य केन्द्र है।	
	उत्तर प्रदेश में सूती मिल कहाँ है ? (ठीक है)	कानपुर
	उपरोक्त विवरण से कहा जा सकता है कि भारत में सूती कपड़ा उद्योग केवल एशिया महाद्वीप में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में बहुत प्रसिद्ध है।	

पुनरावृत्ति :→

* भारत का विश्व में सूतीवस्त्र उद्योग में कौन-सा स्थान है?

* कपास और जूट किस प्रकार के बनाने के काम आता है?

* सूती वस्त्र उत्पादन में कौन-सा राज्य अग्रसर है?

गृहकार्य :→

* बच्चों, कल आप भारत के सूती उद्योग के बारे में लिखकर तथा य करके आएगे।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala — हस्ताक्षर

Lesson No : 3

Date 21|11|2010

Pupil Teacher's Name Kavita

Class 10th

Subject सामाजिक अध्ययन

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Roll No. 509

Average Age of the pupils 15

Topic उपभोक्ता जागरूकता

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

विद्यार्थी उपभोक्ता जागरूकता के विषय में सम्
जानकारी रखते होंगे।
विद्यार्थी उपभोक्ताजागरूकता का प्रत्यास्मरण
करने की योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी उपभोक्ता जागरूकता के विषय में
उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
विद्यार्थी उपभोक्ता जागरूकता से होने वा
समस्याओं के समाधान को बताने की योग्यता रखते

विद्यार्थी उपभोक्ता जागरूकता से निष्कर्ष
निकालने की योग्यता रखते होंगे।
विद्यार्थी उपभोक्ता जागरूकता से होने वाले
को अपने दैनिक जीवन में अपना सकेंगे।

विद्यार्थी उपभोक्ता जागरूकता का संश्लेष
कर सकेंगे।
विद्यार्थी उपभोक्ता जागरूकता का मूल्या
कर सकेंगे।

सहायक सामाग्री

सामान्य सामाग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक, ~~...~~ आदि।

विशिष्ट सामाग्री → मॉडल, चित्र, चार्ट

पुर्वज्ञान परीक्षण :->

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हम वस्तुएं कहाँ से खरीदते हैं?	हम वस्तुएँ बाजार या दुका से खरीदते है।
उपभोक्ता कौन होता है?	वस्तुओं को खरीदने वाला
उपभोक्ता जागरुकता किसे कहते है ?	असंतोष जनक उतर ।

उद्देश्य कथन :->

अच्छा बच्चों आज हम उपभोक्ता जागरुकता के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे

प्रस्तुतीकरण :->

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	
	प्रत्येक व्यक्ति उपभोक्ता होता है। जब हम किसी वस्तु या सेवा के लिए उसका मुल्य चुकाते हैं तो हम उपभोक्ता बनजाते हैं। कभी दुकानदार खराब वस्तु या सेवाओं के लिए अधिक मुल्य लेकर हमे ठग लेता है।	सभी बच्चे मौन बैठेंगे	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ
	इसलिए सरकार ने उपभोक्ता के अधिकारों की रक्षा के लिए बहुत कुछ रही है। उपभोक्ता जब भी कोई वस्तु खरीदता है तो वह दुकानदार से उसकी वास्तविक रसीद लेता है ताकि दुकानदार मूल्य से अधिक पैसा ना ले सके।	
बोध परीक्षण	दुकानदार हमें कैसे ठग लेता है?	वस्तुओं का अधिक मूल्य लेकर।
	उपभोक्ता शोषण के कुछ सामान्य प्रकार निम्नलिखित हैं:- 1. कम तोलना एवं कम देना। 2 मापना 3. घटिया सामान 4. अधिक कीमतें 5. नकली माल 6. मिलावट व अशुद्धता 7 सुरक्षा उपायों की कमी 8 कृत्रिम अभाव 9. झूठी व अधूरी जानकारी 10 विक्रय पश्चात् सेवा की असंतोषजनक सुविधा 11 दुर्व्यवहार और अनावश्यक शर्तें	

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	उपभोक्ता शोषण के निम्न- लिखित कारण है :- सीमित सूचना सीमित आपूर्ति सीमित प्रतिस्पर्धा निम्न साक्षरता	
बोध परीक्षण:	उपभोक्ता शोषण के दो सामान्य प्रकारों के नाम बताओ।	घटिया सामान कृत्रिम अभाव
	कोई भी माल खरीदते समय उपभोक्ताओं को सामान की गुणवत्ता देखनी चाहिए जहाँ तक हो सके गारंटी निशानों वाली सामान जैसे ISI या एगमार्क आदि। जहाँ तक सम्भव हो सके खरीदे हुए माल की रसीद अवश्य लेनी चाहिए। उपभोक्ताओं को उपभोक्ता जागरूकता संगठन से जुड़ा रहना चाहिए।	
	उपभोक्ता शोषण के कुछ कारण बताओ	सीमित सूचना और निम्न साक्षरता

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों की जानकारी अवश्य रखनी चाहिए।	छात्र ध्यान पूर्वक लिखे
	उपभोक्ता को अपने वास्तविक समस्या की शिकायत अवश्य करनी चाहिए वह चाहे कितने ही रुपए का क्यों न हो।	
बोध परीक्षण:	उपभोक्ता को किसकी जानकारी अवश्य रखनी चाहिए?	अपने अधिकारों
	सरकार ने उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए निम्नलिखित उपायों को बताया है:– सरकार ने 1986 में उपभोक्ता संरक्षण नियम बनाया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली उत्पादन को सामाजिक वितरण प्रणाली द्वारा वितरित किया जाए।	
	वस्तुओं का मानकीकरण:– सरकार ने वस्तुओं की गुणवत्ता जाँच करने के लिए भारत में एगमार्क और (BIS) भारतीय मानक ब्यूरो निर्माण किया।	

पुनरावृत्ति :→

- उपभोक्ता किसे कहते है?
- उपभोक्ता शोषण के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
- B.I.S क्या है?

गृहकार्य :→

- उपभोक्ता जागरूकता क्या है? उपभोक्ता शोषण के कारण को बताते हुए इसके सुझाव का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkal

Lesson No : 4

Date: २२/११/२०१० — Duration of the period: 35 मिनट

Pupil Teacher's Name: Kavita — Pupil Teacher's Roll No.: 509

Class: VIII[th] — Average Age of the pupils: 14 वर्ष

Subject: सामाजिक अध्ययन — Topic: महात्मा बुद्ध

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

- विद्यार्थी महात्मा बुद्ध की जीवन शैली के बारे जानने की योग्यता रखते होंगे।
- विद्यार्थी महात्मा बुद्ध का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।
- विद्यार्थी महात्मा बुद्ध से संबंधित उदाहरण देने की योग्यता रखते हैं।
- ~~विद्यार्थी महात्मा बुद्ध के जीवन से मिलनेवाली शिक्षाओं को बताने की योग्यता रखते हैं।~~

विद्यार्थी महात्मा बुद्ध के जीवन से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।
विद्यार्थी महात्मा बुद्ध के गृहत्याग के कारण बताने की योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी महात्मा बुद्ध के जीवन का विश्लेषण कर सकेंगे।
विद्यार्थी महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चौक~~ मार्कर [illegible]।

विशेष सामग्री → मॉडल, चित्र, चार्ट आदि

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बच्चों कुछ प्रसिद्ध महापुरुषों के नाम बताओ।	महात्मा गाँधी, सुभाषचन्द्र बोस, स्वामी विवेकानन्द
महापुरुषों के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?	सर्वप्रथम हमें अपने देश और समाज उद्धार के लिए कार्य करना चाहिए औ समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने प्रयास करने चाहिए।
एक ऐसे महापुरुष का नाम बताओ जिसने गृह त्याग करके मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चो आज हम महात्मा बुद्ध के विषय मे अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~ छात्र क्रियाएँ	~~श्यामपट्ट~~ कार्य
महात्मा बुद्ध	दुःखी मानवता के वरदान भटकी हुई जनता को सत्य का मार्ग दिखाने वाले गौतम बुद्ध निश्चय ही भारत में जन्म लेने वाले महापुरुषों में भी सबसे महान थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
→ प्रारम्भिक जीवन :→	गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ था। उनका जन्म नेपाल की तराई में स्थित कपिलवस्तु के पास लुम्बिनी वन में हुआ था। डॉ॰ हेमचन्द्र राय चौधरी और मजूमदार के अनुसार उनका जन्म 567 ई॰ पूर्व हुआ। उनके पिता का नाम शुद्धोदन था, जो शाक्य गण के प्रधान थे। कपिलवस्तु उनकी राजधानी थी। इनका माता का नाम महामाया था। वे सात दिन के हीथे कि उनकी माता का देहान्त हो गया। अतः सिद्धार्थ का पालन-पोषण उनकी सौतेली माँ गौतमी ने किया।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण	गौतम बुद्ध के माता-पिता का नाम बताओ	माता- महामाया पिता- शुद्धोदन
→ विवाह :→	सिद्धार्थ बचपन से ही विचारशील थे सांसारिक विषयों की ओर उनका झुकाव नहीं था। अतः उनके पिता ने सांसारिक कार्यों में उनका मन लगाने के लिए 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह एक रूपवती कन्या यशोधरा से कर दिया। उनके यहाँ एक पुत्र हुआ जिसका नाम राहुल रखा गया लेकिन फिर भी सांसारिक सुखों में सिद्धार्थ का मन न लग सका	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
विलासिता से घृणा:→	राजा शुद्धोदन ने अपने पुत्र सिद्धार्थ के मन को प्रसन्न रखने के लिए और सांसारिक दुःखो से दूर रखने के लिए अनेक प्रयत्न किए, लेकिन सिद्धार्थ के मन को शांति न मिल सकी। राजमहलों की विलासिता से वे घृणा करने लगे। भिन्न-2 अवसरो पर उन्होंने रोग, बुढ़ापा और मृत्यु जैसे दिल को हिलाने वाले दृश्य देखे जिनसे उनका मन और अधिक अशांत हो गया।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे
बोध परीक्षण	गौतम बुद्ध की पत्नी का क्या नाम था?	यशोधरा।
गृह त्याग:	वे समझ गए कि संसार दुःखों का घर है इसलिए उन्होंने इनसे छुटकारा पाने का निश्चय किया। अत: एक रात वे संसार के सब सुखों को त्यागकर, अपनी पत्नी और पुत्र को छोड़कर ज्ञान की खोज में निकल पड़े। उस समय उनकी आयु 29 वर्ष के निकट थी (533 ई.पूर्व) अर्थात् मैं बुद्ध का त्याग निःसंदेह ही महान त्याग था। उन्होंने जीवन में संसार का त्याग किया जबकि उनके लिए समस्त सुख उपस्थित थे।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ज्ञान की खोज :->	घर छोड़ने के बाद सिद्धार्थ मगध राजधानी राजगृह में गए और वहाँ उन्होंने आलार और उद्रक नामक दो ब्राह्मणों से शिक्षा प्राप्त की लेकिन उनके मन को शांति न मिली। इसके बाद वे उरुवेला के वनों में चले गए। वहाँ उन्होंने छः वर्ष तक घोर तपस्या की। इससे उनका शरीर सूख कर काँटा हो गया।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे
बोध परीक्षण	सिद्धार्थ ने कितने वर्ष तक तपस्या की?	छः वर्ष तक
ज्ञान की प्राप्ति :->	यदि सुजाता नाम की एक कन्या दूध पिलाकर उनकी रक्षा न करती तो वे शायद मर ही गए होते। अब उन्होंने इस मार्ग को छोड़ दिया। अंत में उन्होंने गया नामक स्थान पर एक पीपल के पेड़ के नीचे समाधि लगाई। ४९ दिन की तपस्या के बाद यहाँ उन्हें सच्चा ज्ञान प्राप्त हुआ और वे बुद्ध कहलाए। उस समय उनकी आयु ३५ वर्ष थी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	~~श्यामपट्ट~~
मोक्ष की प्राप्ति :→	महात्मा बुद्ध ने 45 वर्षों तक बड़े परिश्रम से अपने धर्म का प्रचार किया। 80 वर्ष की आयु में 487 ई० पू० लगभग गोरखपुर जिले के कुशीनगर स्थान पर बैसाख की पूर्णिमा के दिन उन्होनें इस संसार को त्याग दिया और मोक्ष प्राप्त किया	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेगे	

पुनरावृत्ति :→

- महात्मा बुद्ध का जन्म कब और कहाँ हु
- महात्मा बुद्ध की पत्नी का क्या नाम था ?
- महात्मा बुद्ध ने सांसारिक सुखों का त्याग क्यों किया ?

गृहकार्य :→

- महात्मा बुद्ध की जीवनी लिखो व याद करो

निरीक्षक टिप्पणी :→

हस्ताक्षर

Lesson No : 5

Date 23/11/10 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 7th | Average Age of the pupils 13

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic रेगिस्तान

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

* विद्यार्थी रेगिस्तान के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।
विद्यार्थी रेगिस्तान का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी रेगिस्तान के बारे में उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
~~विद्यार्थी रेगिस्तान का अर्थ बताने की योग्यता रखते होंगे।~~

विद्यार्थी रेगिस्तान का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी रेगिस्तान के बारे में दी गई जानकारी का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

~~चार्ट, श्यामपट~~।

सहायक सामग्री :→

सामान्य सामग्री :— श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न,
विशिष्ट सामग्री :— संकेतक, चार्ट, मॉडल आदि

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
जीवन के लिए किन-किन चीजों का होना आवश्यक है?	जल, भोजन, हवा आदि।
जानवरों के पालन-पोषण के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है?	जानवरों के पालन-पोषण के लिए जल, चरने के घास आदि।
जहाँ पशुओं के लिए घास न हो फसल के लिए जल न हो उसे क्या कहते हैं?	असंतोषजनक उत्तर

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम रेगिस्तान के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

छात्र क्रियाएँ।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रिया~~
रेगिस्तान :	जहाँ पीने के लिए जल न हो मवेशियों को चरने के लिए घास न हो एवं फसलों को उगने के लिए जल न हो उसे रेगिस्तान कहते हैं। रेगिस्तानों में लोग कष्टकारी जीवन व्यतीत करते है क्योंकि ये स्थान आग तरह गर्म होते हैं एवं ठंडे भी होते हैं। तापमान अधिक गर्म व ठंडे होते है।	सभी छा ध्यानपूर्व सुनेंगे।
बोध परीक्षण	रेगिस्तानी लोगों का जीवन कैसा होता है ?	कष्टकारी
रेगिस्तान के प्रकार :→	तापमान के आधार पर रेगिस्तान गर्म व ठण्डे दो प्रकार के होते हैं।	
गर्म रेगिस्तान सहारा :→	उत्तरी अफ्रीका के बड़े भू-भाग पर फैला सहारा रेगिस्तान विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान है। यह लगभग 8.54 लाख वर्ग कि॰मी॰ में फैला हुआ है। यह रेगिस्तान ग्यारह देशों से घिरा हुआ है। ये देश अल्जीरिया, चाड, मिस्र, लीबिया, माली पश्चिमी सहारा यह मरुस्थल बालू की विशाल परतों से ढका है।	बच्चे ध्या पूर्वक सु-

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~
जलवायु :→	सहारा रेगिस्तान की जलवायु अत्यधिक गर्म एवं शुष्क है। यह आकाश बादल रहित एवं निर्मल होता है। यह संचय होने की अपेक्षा तेजी से वाष्पित होती है। दिन का तापमान 50 डिग्री से ऊपर पहुँच जाता है।	बच्चे ध्यान-पूर्वक सुनेंगे
वनस्पति :→	सहारा रेगिस्तान में कैक्टस बबूल, खजूर व कटीली झाड़ियां पाई जाती है।	
बोध परीक्षण	सहारा रेगिस्तान का दिन का तापमान कितना हो जाता है?	50 डिग्री से ऊपर।
जनजीवन →	सहारा रेगिस्तान की कष्टकारी जलवायु में भी विभिन्न समुदाय के लोग रहते हैं। वनवासी जन-जाति के लोग बकरी, भेड़, ऊँट, घोड़े जैसे पशु पालते हैं। इन पशुओं से लोगों को दूध मिलता है। इनकी खाल से लोग पेटी, पानी की बोतल बनाते हैं। पशुओं के बालों का प्रयोग चटाई, कालीन आदि में प्रयोग करते हैं।	बच्चे ध्यान-पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ठण्डा रेगिस्तान	लद्दाख जम्मू-कश्मीर के पूर्व में बृहत्त हिमालय में स्थित लद्दाख एक ठण्डा रेगिस्तान है। उसके उत्तर में काराकोरम पर्वत श्रेणियाँ एवं दक्षिण मे जास्कर पर्वत स्थित है लद्दाख से हो कर अनेक नदियाँ बहती है जिनमें सिंधु नदी प्रमुख है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्व[क] सुनेगे व लिखेंगे।
लोग :->	यहाँ अधिकांश लोग मुसलमान है। ये लोग मध्य के लोगों से समानता रखते है ग्रीष्म ऋतु मे यहाँ के निवासी जो आलू, राम, शलजम की खेती करते है।	
बोध परीक्षण	लद्दाख मे बहने वाली प्रमुख नदी कौन-सी है?	सिंधु नद[ी]
व्यवसाय :->	यहाँ का मुख्य व्यवसाय पर्यटन है। देश-विदेश से अनेक पर्यटक यहाँ आते है गोंपा दर्शन घास के मैदानों एवं हिमालय की सैर यहाँ का प्रमुख पर्यटन आकर्षण है।	

पुनरावृत्ति :→

विश्व में कौन से दो प्रकार के रेगिस्तान पाए जाते है ?

सहारा रेगिस्तान किस महाद्वीप में स्थित है ?

सहारा रेगिस्तान के लोगो का मु[illegible] व्यवसाय क्या है ?

गृहकार्य कार्य :→

रेगिस्तान क्या है ? विश्व में कितने प्रकार के रेगिस्तान है ? विस्तार पूर्व[illegible] वर्णन कीजिए ।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala

हस्ताक्षर

DISCUSSION
LESSON - I

Lesson No : 1

Date: 25/1/2010

Duration of the period: 35 मिनट

Pupil Teacher's Name: Kavita

Pupil Teacher's Roll No.: 509

Class: Xth

Average Age of the pupils: 15 वर्ष

Subject: सामाजिक अध्ययन

Topic: भारत और उसके पड़ोसी राज्य

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

- विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्य के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।
  विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्य का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

- विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्य से संबंधित उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
  विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्य के संबंध बताने की योग्यता रखते होंगे।

- विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्य के संबंधों से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।
  विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्य से अनुभव प्राप्त उसे अपने दैनिक जीवन में अपना सकेंगे।

- विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्य का विश्लेषण कर सकेंगे।
  विद्यार्थी भारत और उसके पड़ोसी राज्यों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~[illegible]~~, संकेतक, ~~[illegible]~~ आदि।

विशिष्ट सामग्री → मानचित्र, चार्ट, चित्र आदि

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
क्रांति किसे कहते है ?	विचारों के विद्रोह को ही क्रांति कहते है।
भारत में क्रांति की आवश्यकता क्यों पड़ी ?	अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए।
1857 की क्रांति के क्या कारण थे ?	?

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम भारत और उसके पड़ोसी राज्य के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषय वस्तु	क्रिया	छात्र क्रियाएँ
भूमिका :→	भारत एक विशाल देश है जिसकी पाकिस्तान, चीन नेपाल भूटान, म्यांमार और बांग्लादेश के साथ साझी भू सीमाएँ हैं और श्रीलंका के साथ समुद्र स्पर्श करती है। इन सात देशों के अलावा अफगानिस्तान और मालद्वीप	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	भी भौगोलिक निकटता के कारण भारत के अलावा अफगानिस्तान और मालदीव भी भौगोलिक निकटता के कारण भारत के पड़ोसी देश है।	
बोध परीक्षण	भारत के पड़ोसी देशों के नाम बताओ।	पाकिस्तान नेपाल, चू म्यांमार अ
भारत और पाकिस्तान	भारत और पाकिस्तान दोनों के मध्य संबंध हमेशा से ही तनावपूर्ण रहे हैं। इसका मुख्य कारण कश्मीर की समस्या है। पाकिस्तान कश्मीर पर अपना अधिकार करना चाहता है। जबकि यह भारत का अभिन्न अंग है दूसरा कारण है बांग्लादेश। पहले बांग्लादेश पाकिस्तान का ही अंग था। 1970 में आम चुनाव में शेख-मुजीब-उर-रहमान की पार्टी आवामी लीग थे।	

दृष्ट क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	
	पाकिस्तान मे पूर्ण बहुमत प्राप्त कर विजय प्राप्त की थी लेकिन पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के नेतृत्व को स्वीकार नही किया जिसके कारण इन दोनों मे गृहयुद्ध छिड़ गया इसमे भारत ने बांग्लादेश का समर्थन किया जिससे क्रोधित होकर 1971 मे भारत पर आक्रमण हुआ। शिमला समझौते के द्वारा (जुलाई 1972) मे युद्ध समाप्त हुआ था।	
बोध परीक्षण	पाकिस्तान ने भारत पर पहला आक्रमण कब किया ?	1971 ई
	किस समझौते द्वारा भारत पाक युद्ध बंद हुआ ?	शिमला समझौत
	भारत और चीन भूमि और जनसंख्या के आधार पर एशिया के दो बड़े देश है। जनसंख्या के आधार से चीन एशिया का सबसे बड़ा देश है अर्थात चीन एशिया सबसे घनी आबादी वाला देश है।	

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रिया
	भारत और चीन के संबंध सीमा विवाद और तिब्बत की समस्या को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। भारत द्वारा तिब्बतियों को शरण देना, सिक्किम का भारत में विलय और दोनों देशों के बीच सीमा-विवाद तनाव के मुख्य कारण हैं।	
बोध परीक्षण	भारत और चीन के मध्य तनाव का क्या कारण है?	सीमा-विवाद
	1950 में चीन ने हमला करके तिब्बत पर अपना कब्जा कर लिया। भारत ने 29 अप्रैल 1954 को एक संधि पर हस्ताक्षर करके इस समस्या को शांतिपूर्ण ढंग से हल कर लिया। 1950 में तिब्बत के आध्यात्मिक, धार्मिक गुरु दलाई लामा को भारत में शरण देने के कारण भारत और चीन के संबंध दोबारा से तनावपूर्ण होने लगा।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	नेपाल विश्व का एक मात्र हिन्दू राष्ट्र है। नेपाल और भारत के मध्य व्यापारिक तथा मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। 1955 में भारत के सहयोग से ही संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता प्राप्त हुई थी। 1955 में नेपाल के राजा ने निर्वाचित मंत्री मण्डल भंग कर दिया तथा संविधान को निरस्त कर दिया लोकतंत्र के प्रति भारत की आस्था को लेकर भारत और नेपाल के मध्य संबंध तनावपूर्ण होगए	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण	नेपाल संयुक्त राष्ट्र का सदस्य कब बना?	1955 ई० मे
	जिससे नेपाल चीन की ओर झुक गया। तनावपूर्ण संबंधों का यह दौर 1961 तक चलता रहा। 1964 में व्यापक आर्थिक सहायता के कारण समझौते पर भारत और नेपाल ने हस्ताक्षर किए। 1975 में महाराजा वीरेन्द्र भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के मध्य व्यापारिक समझौता हुआ।	
	[illegible] और भारत के संबंध कैसे है?	व्यापारिक मैत्रीपूर्ण

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	भारत और भूटान के बीच संबंध हमेशा घनिष्ठ तथा तनाव मुक्त रहे हैं। भारत और भूटान के बीच द्विपक्षीय संबंध अधिकांशतः 1949 की भारत-भूटान मैत्री संधि के ढांचे के अन्तर्गत संचालित होते है। इसके अनुसार भारत ने भूटान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा और भूटान ने अपने विदेशी मामलों में भारत की सलाह लेना स्वीकार किया तथा भूटान की सुरक्षा का उत्तरदायित्व भी सौंपा गया।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे
	भारत बांग्लादेश को मान्यता देने वाला विश्व का पहला देश है तथा भारत ने इसकी आर्थिक सहायता देने का आश्वासन भी दिया। दोनों देशों ने 1972 में 25 वर्षों के लिए "मैत्री और शाँति के लिए संधि" पर हस्ताक्षर किए 1972 से व्यापक व्यापार समझौता हुआ।	

पुनरावृत्ति :→

पाकिस्तान के साथ भारत के कैसे संबंध है ?

कश्मीर समस्या पर संक्षेप में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

भारत और चीन के मध्य कौन-सी सीमा रेखा है ?

गृहकार्य :→

भारत के पड़ोसी राज्य के संबंध में विस्तार से टिप्पणी कीजिए।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajtak

हस्ताक्षर

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

Lesson No : 1

Date 26/11/2010

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita

Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 8th

Average Age of the pupils 14 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic खनिज पदार्थ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

विद्यार्थी खनिज पदार्थों के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।
विद्यार्थी खनिज पदार्थ का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी खनिज पदार्थ पदार्थ के उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
विद्यार्थी खनिज पदार्थ और मानव के सम्बंध को बताने की योग्यता रखते होंगे।

विद्यार्थी खनिज पदार्थों से निष्कर्ष निकालने के योग्य होंगे।
विद्यार्थी खनिज पदार्थों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

विद्यार्थी खनिज पदार्थों का विश्लेषण कर सकेंगे।
विद्यार्थी खनिज पदार्थों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामाग्री,

सामान्य सामाग्री — श्यामपट्ट, चॉक, झाडन, संकेतक, आदि।

विशिष्ट सामाग्री — चार्ट, मॉडल, आदि

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
सोना कहाँ से प्राप्त होता है ?	खानो से ।
सोने के अलावा और कौन-२ से पदार्थ खानों से प्राप्त होते हैं ?	ताँबा, टिन, कोयला, अभ्रक, मैगनीज आदि ।
खानों से प्राप्त होने वाले पदार्थों को क्या कहते है ?	असंतोषजनक उत्तर ।

उपविषय की घोषणा :→

बच्चों, आज हम अपने देश में पाए जाने वाले खनिज पदार्थों के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
खनिज पदार्थ	खनिज पदार्थ देश के औद्योगिकरण में बहुत सहायक होते हैं। यह देश की अमूल्य सम्पति है। भारत में खनिज पदार्थों का विस्तृत भण्डार है।	बच्चे मौन बैठेंगे ।	
	खनिज पदार्थ दो प्रकार के होते है :- धात्विक खनिज । अधात्विक खनिज ।		

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रि.
धात्विक खनिज पदार्थ	धात्विक खनिज पदार्थों में तांबा, टिन, एल्यूमीनियम जस्त, सीसा, सोना आदि सम्मिलित किए जाते हैं। ये सामान्यतः ठोस व भारी होते हैं। ये कड़े व चमकदार भी होते हैं।	बच्चे ध्यान पूर्वक सुने व लिखेंगे
अधात्विक खनिज पदार्थ	अधात्विक खनिज पदार्थों में गंधक कोयला, पैट्रोलियम और नमक को सम्मिलित किया जाता है। इनमें से कोयला और पैट्रोलियम सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। ये ऊर्जा के सबसे प्रमुख स्त्रोत है।	
बोध परीक्षण	धात्विक खनिज पदार्थों के नाम बताओ।	सोना, चाँदी तांबा, सीसा
लोहा	लोहा, औद्योगिक विकास की आधार शिला है। अनेक प्रकार की मशीने, रेलगाड़ियाँ व जहाज लोहे से बनते हैं। इसकी सर्वव्यापी आवश्यकता है। भारत में लोहा मुख्यतः उड़ीसा बिहार के राज्यों में मयूरगंज बिहार में हजारी बाग तथा सिंहभूम नामक जगहों पर लोहा काफी मात्रा में पाया जाता है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
अभ्रक	अभ्रक एक महत्वपूर्ण खनिज पदार्थ है। यह कई सौ C तक नहीं पिघलता इसमें से बिजली नहीं गुजर सकती। इसलिए यह बिजली की अनेक प्रकार की वस्तुओं को बनाने के काम में लाया जाता है। भारत में यह बिहार में गया, झारखण्ड के हजारीबाग, राजस्थान के भीलवाड़ा आदि में पाया जाता है।	सभी ब[illegible] ध्यानपू[illegible] सुनेंगे [illegible] लिखेंगे
मैंगनीज	मैंगनीज उत्तम प्रकार की इस्पात बनाने रोगन व शीशे का सामान, बैट्री के सैल तथा अनेक उद्योग धन्धों में काम आता है। यह मध्य प्रदेश में बालाघाट महाराष्ट्र में नागपुर तथा भण्डारा नामक स्थान पर पाया जाता है।	
बोध परीक्षण	लोहा किसकी आधार शिला है?	औद्योगिक विकास की
पैट्रोलियम	पैट्रोलियम चालक शक्ति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण खनिज पदार्थ है। विश्व के सभी वायुयान, मोटरे, पैट्रोल से चलते हैं भारत में पैट्रोलियम असम राज्य के डिगबोई गुजरात राज्य के अंकलेश्वर क्षेत्र में पाया जाता है।	
सोना	भारत में सोना मैसूर राज्य में कोलार की खानों से निकाला जाता है। यह आभूषण बनाने के काम आता है।	

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रिया
	भारत में इसका उत्पादन कम हो गया है। मध्यप्रदेश व उड़ीसा की नदियों में रेती में सोने की छोटी-२ डलियां मिल जाती है।	छात्र ध्य... पूर्वक सु...
बाक्साइड	बाक्साइड एक अयस्क है। इससे एल्युमीनियम प्राप्त किया जाता है। इसका प्रयोग वायुयान, बर्तन व अन्य घरेलू वस्तुएँ बनाने में किया जाता है। यह भारत में उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ तथा तमिलनाडू में पाया जाता है।	
बोध परीक्षण	बाक्साइड को किससे प्राप्त किया जाता है?	एल्युमीनि...
सीसा	सीसे का अयस्क गैलेन कहलाता है। सीसा मूल्यवान व भारी धातु है। इसका प्रयोग केबल, खेल, आयुध, रंग रोगन, कॉंच और रबड़ बनाने में होता है। सीसा देश के विभिन्न भागों में मिलता है। यह राजस्थान, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडू से प्राप्त होता है। भारत में सीसा केवल 25% ही उत्पाद प्राप्त होता है।	

पुनरावृत्ति :→

खनिज पदार्थ किसे कहते हैं ?

भारत में लोहा कहाँ-कहाँ पाया जाता

सीसे के अयस्क को क्या कहते हैं ?

गृहकार्य :→

भारत में पाए जाने वाले खनिजों के वितरण को याद करके आना है।

निरीक्षक टिप्पणी :→

P.K. testing was good.
B.B. work was good.

Rajkale
हस्ताक्षर

Lesson No : 2

Date 27/11/2010
Duration of the period 35 Min

Pupil Teacher's Name Kavita
Pupil Teacher's Roll No. 509

Class X th
Average Age of the pupils 16 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन
Topic लघु उद्योग

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

1 विद्यार्थी लघु उद्योग के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी लघु उद्योग का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी लघु उद्योगों का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 विद्यार्थी लघु उद्योगों और मानव विकास में संबंध बताने की योग्यता रखते होंगे।

5 विद्यार्थी लघु उद्योग से निष्कर्ष निकालने के योग्य होंगे।

6 विद्यार्थी लघु उद्योग को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

7 विद्यार्थी लघु उद्योग का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी लघु उद्योग का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चार्ट, संकेतक, मॉडल आदि~~

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, संकेतक, मॉडल।

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
जीवन यापन के लिए मानव को क्या करना चाहिए ?	जीवन यापन के लिए मानव को छोटा-से छोटा कार्य भी करना चाहिए।
प्राचीन समय में लोग कौन-सी कला में निपुण होते थे ?	हस्तकला में
लघु उद्योग किसे कहते है ?	बच्चों ने उत्तर नहीं दिया।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम लघु उद्योगों के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे

प्रस्तुतीकरण :→

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	
लघु उद्योग का अर्थ :→	वे उद्योग होते हैं जो छोटे पैमाने पर चलाए जाते हैं। वे लघु उद्योग कहलाते हैं	विद्यार्थी मौन बैठेंगे।
समस्याएँ	हस्तकला खादी व जूता उद्योग आदि। लघु उद्योग आदि। लघु उद्योग से बहुत से लोगों को कार्य तो मिलता है।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रिया
	पर लघु उद्योग को पर्याप्त रूप से चलने में बहुत सी समस्याएँ आती है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक लिखेंगे
वित्त की समस्या:	वित्त की समस्या भी लघु उद्योगों के लिए बड़ी समस्या है क्योंकि ऋण प्राप्त करने के लिए इनके पास जमानत रखने के लिए सम्पत्ति नहीं होती	
बोध परीक्षण	हस्तकला किस उद्योग के अन्तर्गत आती है?	के लघु उद्योग
कच्चे माल का अभाव	लघु उद्योगों की सबसे बड़ी समस्या कच्चे माल का अभाव है। इन उद्योगों को कच्चा माल उचित मात्रा में नहीं मिलता और यदि मिलता भी है तो वह बहुत ही घटिया किस्म का होता है और अगर मिलता भी है तो महंगी कीमत पर मिलता है।	

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~
पुरानी तकनीक	लघु उद्योगों में उत्पादन में पुराने तरीके अपनाए गए हैं जिससे कि इन की उत्पादकता में भी कमी आती है जिसे रुपए भी अधिक लागत भी अधिक लगती है। जिस कारण इनकी उत्पादकता में निरन्तर कमी आती है	विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे
बोध परीक्षण	लघु उद्योगों में कौन-से तरीके अपनाए गए हैं?	पुराने तरीके
बिक्री संबंधी समस्याएँ:	लघु उद्योगों की कई बार बिक्री संबंधी कठिनाइयां भी सहन करनी पड़ती है क्योंकि उनके उत्पादन की बाहरी दिखावट अच्छी नहीं होती। इससे इनकी ~~समस्या~~ की मांग में कमी आ जाती है तथा इनकी उत्पादन की कीमत भी अधिक होती जाती है और इन्हें अपने उत्पादन को बचने के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।	विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ऋण की ऊँची दर :	लघु उद्योगों की उत्पादकता काफी ऊँची होती है क्योंकि इन्हें कच्चा माल महंगा मिलता है इस कारण इनकी कीमत भी ऊँची होती है और लागत भी अधिक होती है जिस कारण इन्हें ऋण की आवश्यकता होती है और ऋण भी ऊँची दर पर मिलता है जो कि काफी बड़ी समस्या है।	विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे
बोधपरीक्षण	कौन से उद्योगों की बाहरी दिखावट नहीं नहीं होती?	लघु उद्योगों की।
ऊँचीलागत	लघु उद्योगों की लागत पूंजी अधिक होती है क्योंकि इन उद्योगों को कच्चा माल उचित कीमत पर न मिलकर महंगा मिलता है जिस कारण इसमें बहुत सी परेशानियां पैदा हो जाती है।	

पुनरावृत्ति :→

लघु उद्योगों से क्या तात्पर्य है ?

लघु उद्योगों की समस्याओं का वर्णन कीजिए ।

वित्त की समस्या उत्पादन को किस प्रकार प्रभावित करती है ?

गृहकार्य :→

लघु उद्योगों का अर्थ बताते हुए इनको बचाने के सुझाव प्रकट करें ।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Map was good and attractive.

हस्ताक्षर

Rajbala

Lesson No :..3............

Date.................................... Duration of the period......35 मिनट

Pupil Teacher's Name.....Kavita..... Pupil Teacher's Roll No......509

Class.....7th..... Average Age of the pupils.....12 वर्ष

Subject.....सामाजिक अध्ययन Topic.....संचार के साधन

अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी संचार के साधनों की सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी संचार के साधनों का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी संचार के साधनों का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 विद्यार्थी संचार के साधनों का मानव का सबंध बताने की योग्यता रखते होंगे।

5 विद्यार्थी संचार के साधनों से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी संचार के साधनों को अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

7 विद्यार्थी संचार के साधनों का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी संचार के साधनों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चार्ट, मॉडल, संकेतक~~ आदि।

विशिष्ट सामग्री → मॉडल, संकेतक, चार्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हम अपने विचारों का आदान प्रदान कैसे करते हैं?	बोलकर, लिखकर या सांकेतिक हाव-भाव द्वारा।
हम विचारों का संचार कैसे करते है?	टेलीफोन, पत्र, डाक, तार आदि
संचार के साधनों के नाम बताओ	?

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों, आज हम संचार के साधनों के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ (~~छात्र क्रियाएँ~~)	~~[illegible]~~
संचार का अर्थ	जब दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच संदेश विचारों आदि का आदान-प्रदान होता है यह संचार कहलाता है। संदेश भेजने व प्राप्त करने के लिए जिन साधनों का प्रयोग किया जाता है, उन्हे संचार के साधन कहा जाता है।	सभी बच्चे मौन बैठेंगे।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संचार के साधन :→	प्राचीन समय में संदेश को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने के लिए कबूतरों, सैनिकों, पत्रों का प्रयोग किया जाता था लेकिन समय के साथ-साथ संचार के साधनों में भी परिवर्तन होता चला गया। इस समय देश में संचार साधनों के दो प्रमुख रूप हैं व्यक्तिगत संचार और जन संचार। निजी संचार से अभिप्राय संचार के उन साधनों से है जिनका प्रयोग हम अपने निजी संदेशों के आदान-प्रदान के लिए करते हैं।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण	वर्तमान समय में संचार साधनों के कितने रूप हैं?	दो रूप प्रमुख हैं
	उदाहरण के लिए टेलीफोन निजी संचार का साधन है। इसके विपरीत जन संचार के साधनों के द्वारा किसी सूचना को हजारों लोगों तक एक साथ पहुँचाया जा सकता है। इन साधनों में टेलीफोन, रेडियो, इंटरनेट, ई-मेल आदि संचार माध्यम शामिल हैं।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	संचार के कुछ साधनों का वर्णन निम्न लिखित है :—	सभी बच्चे अपनी नोट बुक में लिखेंगे
1.	डाकघर	
2.	टेलीफोन	
3.	आकाशवाणी	
4.	टेलीविजन	
5.	समाचार पत्र और पत्रिका	
1. डाकघर :	भारत में डाकघरों का जाल संसार में सबसे विशाल है। देश में 1.5 लाख डाकघर है। 89% डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में और शेष 11% डाकघर नगरों में सेवारत हैं। पोस्टकार्ड के बंडल, पंजीकृत समाचार-पत्र तथा साप्ताहिक समाचार-पत्र दूसरे दर्जे की डाक के अन्तर्गत आते है। डाक से हमें दूरस्थ स्थानों पर भी सूचनाएँ आसानी से भेज सकते है।	
बोध परीक्षण :	भारत में कितने डाकघर हैं ?	1.5 लाख लगभग
टेलीफोन :→	टेलीफोन् सचांर के साधनों में महत्वपूर्ण साधन हैं। देश में इस समय लगभग 34000 टेलीफोन एक्सचेंज है। देश के सभी नगरों को टेलीफोन की सुविधाएँ सुलभ हैं। दो-तिहाई गांवों को भी ये सुविधाएँ उपलब्ध हैं।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
3. आकाशवाणी	आकाशवाणी जनसंचार का महत्त्वपूर्ण साधन है। आकाशवाणी के पास इस समय २०० रेडियो स्टेशन तथा ३२७ ट्रांसमीटर्स हैं। इससे हम समाचार संवाद खेलों के विवरण, संगीत तथा विज्ञापन सुन सकते है। यह मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा प्रदान करने का भी सशक्त माध्यम है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण	भारत में कितने रेडियो स्टेशन है?	लगभग २००
4. टेलीविजन	टी.वी संचार का ऐसा साधन है जिसमें हम सूचनाओं को सुनते हैं तथा साथ-साथ देखते भी है। देश के 87% से अधिक भाग को दूरदर्शन विभिन्न प्रकार के लोगों के लिए मनोरंजन से लेकर शैक्षिक और खेल संबंधी विविध प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित करता है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लि
5. समाचार-पत्र व पत्रिकाएँ:	समाचार-पत्र और पत्र-पत्रिकाएं संचार का एक प्रमुख साधन है। समाचार पत्र सबसे सस्ता संचार का साधन है। लगभग 100 भाषाओं और बोलियों में समाचार-पत्र व पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं।	

पुनरावृत्ति :—

देश में कितने टेलीफोन एक्सचेंज है?

देश के कितने प्रतिशत भाग में दूर-दर्शन का प्रसारण सुलभ है?

प्रतिवर्ष भारत में कितने समाचार-पत्र व पत्रिकाओं का प्रकाशन होता है?

गृहकार्य :—

सभी बच्चे संचार के साधनों के विषय में लिखकर लाएगें व याद भी करेगें।

निरीक्षक टिप्पणी :—

Chart was used.
Teaching was good.

हस्ताक्षर

Rajkala

Lesson No : 4

Date 30/11/2010

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita

Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 6th

Average Age of the pupils 12 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic जल मण्डल

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी जलमण्डल के विषय की सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी जलमण्डल का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी जलमण्डल का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 विद्यार्थी जलमण्डल का अर्थ बताने की योग्यता रखते होंगे।

:→

5 विद्यार्थी जलमण्डल से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी जलमण्डल से संबंधित जानकारी का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

:→

7 विद्यार्थी जलमण्डल का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी जलमण्डल का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, चार्ट, संकेतक।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट संकेतक।

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पर्यावरण किसे कहते हैं ?	हमारे आस-पास के वातावरण को पर्यावरण कहते है।
पर्यावरण में कौन-कौन से तत्व शामिल है ?	वायुमण्डल, जलमण्डल, स्थलमण्डल आदि।
जलमण्डल किसे कहते है ?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम जलमण्डल के विषय में विस्तारपूर्वक वर्णन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	
जलमण्डल	पृथ्वी को नीला ग्रह कहा जाता है पृथ्वी का 71% भाग जल से तथा 29% भाग स्थल है। जलमण्डल में जल के सभी रूप उपस्थित होते हैं इसमें महासागर एवं नदियां एवं हिमनदियां भूमिगत जल तथा वायुमण्डल का जलवाष्प भाग सभी सम्मिलित हैं।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक लिखेंगे।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पृथ्वी :→	पृथ्वी पर पाये जाने वाले जल का 97% से अधिक भाग महासागरों में पाया जाता है लेकिन यह इतना खारा होता है कि मानव के उपयोग में नहीं आ सकता है। शेष जल का बहुत बड़ा भाग बर्फ की परतों एवं हिमनदियों तथा भूमिगत जल के रूप में पाया जाता है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे
	किस ग्रह को नीला ग्रह कहा जाता है।	पृथ्वी को
महासागर	महासागर जलमण्डल का मुख्य भाग है। यह आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। महासागरीय जल हमेशा गतिशील रहता है। तरंगे, ज्वार-भाटा तथा महासागरीय धाराएँ, महासागरीय जल की मुख्य तीन शक्तियाँ हैं और क्रमशः चार महासागर हैं। प्रशांत महासागर अटलांटिक महासागर हिन्द महासागर आर्कटिक महासागर	बच्चे ध्यानपूर्वक लिखेंगे।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रशांत महासागर :→	प्रशांत महासागर सबसे बड़ा महासागर है। यह पृथ्वी के एक तिहाई भाग पर फैला है। पृथ्वी के सबसे गहरे भाग मे रियाणा गर्त है प्रशांत महासागर में स्थित है और यह वृत्ताकार है। एशिया आस्ट्रेलिया उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका इसके चारों ओर स्थित है	सभी बच्चे अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।
बोध परीक्षण:	पृथ्वी के कितने प्रतिशत भाग पर जल है ?	71% भाग पर जल है।
अटलांटिक महासागर	अटलांटिक महासागर विश्व का सबसे बड़ा महासागर है। यह अंग्रेजी भाषा के (एस) अक्षर के आकार का है। इसके पश्चिमी किनारे पर उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका है। तथा पूर्वी किनारे पर यूरोप एवं अमेरिका है। व्यापार की दृष्टि से यह सबसे मस्त महासागर है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हिन्दमहासागर	हिन्द महासागर एक ऐसा सागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। यह महासागर लगभग त्रिभुजाकार है। इसके उत्तर में एशिया, पश्चिम में अफ्रीका तथा पूर्व में आस्ट्रेलिया है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेगे व लिखेगे।
बोधपरीक्षण	किस महासागर का नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है?	हिन्द महासागर
आर्कटिक महासागर :	आर्कटिक महासागर उत्तरी ध्रुव वृत्त में स्थित है तथा यह उत्तर ध्रुव के चारो ओर फैला हुआ है। यह प्रशांत महासागर में छिछले जल वाले सकरे भाग से जुड़ा है जिसे बेरिंग जल संधि के नाम से जाना जाता है। यह उत्तर अमेरिका के उत्तरी तटो तथा यूरेशिया से घिरा है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक लिखेगे।

पुनरावृत्ति :→

पृथ्वी के कितने प्रतिशत भाग पर जल है ?

भूमिगत जल के बारे में आप क्या जानते है ?

जल की मुख्य गतियाँ कौन-2 सी है

सबसे बड़ा महासागर कौन सा है ?

गृहकार्य :→

बच्चों जलमण्डल के सभी तथ्यों को याद करके आना है तथा कापी मे लिखकर लाना है ।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No : 5

Date: 1/12/2010 | Duration of the period: 35 मिनट

Pupil Teacher's Name: Kavita | Pupil Teacher's Roll No.: 509

Class: 8th | Average Age of the pupils: 14 वर्ष

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: महावीर स्वामी व उनकी शिक्षाएँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

1. विद्यार्थी महावीर स्वामी की जीवन शैली को जानने की योग्यता रखते होंगे।
2. विद्यार्थी महावीर स्वामी का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।
3. विद्यार्थी महावीर स्वामी के जीवन से संबंधित उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
4. ~~विद्यार्थी महावीर स्वामी और उनकी शिक्षाओं में संबंध बताने की योग्यता रखते होंगे।~~
5. विद्यार्थी महावीर स्वामी के जीवन से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे
6. विद्यार्थी महावीर स्वामी की शिक्षाओं को अपने जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
7. विद्यार्थी महावीर स्वामी के जीवन का विश्लेषण कर सकेंगे।
8. विद्यार्थी महावीर स्वामी की शिक्षाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतक, ~~चार्ट~~

विशिष्ट सामग्री → संकल्पना चार्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण :—

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बच्चों छठी शताब्दी में कौन-२ से धर्मों का उदय हुआ ?	जैन धर्म और बौद्ध धर्म।
छठी शताब्दी में कौन-से धर्म ने जटिल रूप धारण कर लिया था ?	वैदिक धर्म ने।
जैन धर्म के संस्थापक कौन थे ?	असंतोषजनक उत्तर।

उद्देश्य कथन :—

अच्छा बच्चों आज हम महावीर स्वामी तथा उनकी शिक्षाओं का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	प्राचीन भारत में छठी शताब्दी में ईसा पूर्व दो प्रमुख धर्मों का उदय हुआ था। इनमें से एक जैन धर्म था। इस समय तक वैदिक धर्म जो सरल और सादा होता था बहुत जटिल हो चुका था। जाति बंधन कठोर हो गए थे। वैदिक धर्म व्यर्थ के कर्म-काण्डों का शिकार हो रहा था। ऐसे समय में महावीर स्वामी ने जनता का पथ-प्रदर्शन किया।	सभी बच्चे मौन बैठेंगे।

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
महावीर स्वामी का जन्म	जैन धर्म के २५ वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म 599 ई० पू. वैशाली के निकट कुण्ड नामक स्थान पर हुआ था। इनका बचपन का नाम वर्धमान था। इनके पिता का नाम सिद्धार्थ और माता का नाम त्रिशला था। इनके पिता वज्जि राज संघ के क्षात्रिक गण के प्रधान थे।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
विवाह :→	छोटी आयु में वर्धमान का विवाह यशोदा से हो गया। उनके घर एक कन्या भी उत्पन्न हुई।	
ज्ञान प्राप्ति	30 वर्ष की आयु में घर-बार छोड़कर सन्यासी हो गए। १२ वर्ष की घोर तपस्या के बाद उन्हें सच्चा ज्ञान प्राप्त हुआ और महावीर प्रथा अर्थात् विजेता कहलाए।	
बोध परीक्षण	महावीर स्वामी का जन्म कब हुआ?	599 ई० पू० में।
धर्म प्रचार :	ज्ञान प्राप्त करने के बाद वे 30 वर्षों तक एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमकर जैन धर्म का प्रचार करते रहे	
निर्वाण :	527 ई० पू० 72 वर्ष की आयु में पटना में पहावा नामक स्थान पर उनका देहांत हो गया। महावीर जिन कहलाने के कारण उनके शिष्य तथा अनुयायी जैन कहलाए।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बोध परीक्षण:	महावीर स्वामी की पत्नी का नाम क्या था?	यशोदा
	महावीर स्वामी की शिक्षाएँ :→	
1. मोक्ष प्राप्ति:	आत्मा को कर्म बंधन से मुक्त करने को मुक्ति निर्वाण कहा जाता है। निर्वाण के तीन साधन है:- 1. सम्यक् विश्वास 2. सम्यक् ज्ञान 3. सम्यक् चरित्र इन्हें जैन धर्म में त्रिरत्न कहते हैं।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
2. अहिंसा पर बल	जैन धर्म में अहिंसा पर सबसे अधिक बल दिया गया है। अहिंसा से अभिप्राय है:- किसी जीवधारी को कष्ट न देना। उनके अनुसार किसी भी जीव को मन, वाणी, कर्म से दुःख नहीं देना चाहिए। इसलिए जैनी नंगे पांव चलते हैं, पानी छानकर पीते हैं, मुँह पर पट्टी बांधते हैं।	
3. घोर तपस्या में विश्वास:	जैनी घोर तपस्या और शरीर को अधिक कष्ट देने में विश्वास रखते हैं। उनका विश्वास है कि भूखे रहकर प्राणत्यागने से मोक्ष प्राप्त होता है।	
बोध परीक्षण:	जैन धर्म में सबसे अधिक बल किस पर दिया गया है?	अहिंसा पर।

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ईश्वर में अविश्वास:	जैनी ईश्वर के अस्तित्व को नहीं मानते। वे यह नहीं मानते कि ईश्वर ने संसार की रचना की है। वे ईश्वर की अपेक्षा तीर्थंकरों की पूजा करते हैं	
जाति प्रथा में अविश्वास:	जैनी जाति प्रथा में विश्वास नहीं रखते उनके अनुसार वे सब व्यक्ति जो जैन मत में विश्वास रखते हैं, एक समान हैं, कोई छोटा या बड़ा तथा अछूत नहीं है	
बोध परीक्षण	जैनी किसकी पूजा में विश्वास करते हैं?	तीर्थंकरों की
यज्ञ और बलि में अविश्वास	जैन धर्म के अनुसार यज्ञ और हवन को मोक्ष पाने के लिए आवश्यक नहीं माना। अहिंसा में विश्वास रखने के कारण वे पशु-बलि का भी विरोध करते है	
पुनर्जन्म और कर्म में विश्वास	जैनी इस बात में विश्वास रखते हैं कि अच्छे कर्म, अच्छे जन्म का कारण बनते हैं और बुरे कर्म बुरे जन्म का कारण हैं इसलिए व्यक्ति को अच्छे कर्म करने चाहिए।	
बोध परीक्षण	बुरे जन्म का क्या कारण होता है?	बुरे कर्म।
उच्च नैतिक जीवन :->	महावीर स्वामी ने अपने अनुयायियों को चोरी, चुगली, लोभ, क्रोध आदि से दूर रहकर सदाचारी जीवन का उपदेश दिया।	

पुनरावृत्ति :-

महावीर स्वामी का जन्म कब और कहाँ हुआ

महावीर स्वामी के माता-पिता का क्या नाम था ?

महावीर स्वामी ज्ञान प्राप्ति के बाद क्या कहलाए ?

महावीर स्वामी की मृत्यु कब और कहाँ हुई ?

गृहकार्य :-

महावीर स्वामी की जीवनी एवं उनकी शिक्षाओं को अपनी साफ कॉपी में लिखो व याद करो।

निरीक्षक टिप्पणी :-

Lesson No :- 6

Date 2/12/2010

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita

Pupil Teacher's Roll No 509

Class 7th

Average Age of the pupils 13 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic पृथ्वी की सतह और आंतरिक संरचना

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी पृथ्वी की आंतरिक संरचना की सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी पृथ्वी की सतह का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी पृथ्वी की आंतरिक संरचना से संबंधित उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 विद्यार्थी पृथ्वी की आंतरिक संरचना का सामान्यीकरण करने की योग्यता रखते होंगे।

5 विद्यार्थी पृथ्वी की आंतरिक संरचना से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी पृथ्वी की सतह और आंतरिक संरचना का कारण बताने की योग्यता रखते होंगे।

→

7 विद्यार्थी पृथ्वी की सतह और आंतरिक संरचना का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी पृथ्वी की सतह और आंतरिक संरचना का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चार्ट, मॉडल, संकेतक आदि।~~

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, मॉडल, संकेतक

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हमारी पृथ्वी का आकार कैसा है?	गोल।
हमें खनिज पदार्थ कहाँ से मिलते है?	पृथ्वी से।
पृथ्वी की आंतरिक संरचना किस प्रकार हुई है?	असंतोष जनक उत्तर।

उद्देश्य कथन :→

बच्चों आज हम पृथ्वी की सतह तथा आंतरिक संरचना के बारे में अध्ययन करेंगे

प्रस्तुतीकरण :→

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	पृथ्वी का निर्माण 500 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ पृथ्वी पहले सूर्य की भाँति एक आग का गोला थी। धीरे-2 इसका तापमान कम होता गया जिससे पृथ्वी ठंडी हो गई। इस से हल्के पदार्थ ऊपरी सतह पर धातु जैसे भारी पदार्थ पृथ्वी के नीचे गए। जिससे क्रोड का निर्माण हुआ।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	पृथ्वी के धरातल का एक तिहाई से कम (29%) तथा अधिकांश 3/4 भाग (70%) जल से घिरा हुआ है। अकेले प्रशांत महासागर का क्षेत्रफल 16 करोड़ वर्ग कि०मी० ही सारे महाद्वीपों तथा द्वीपों के सम्मिलित क्षेत्र से अधिक है। पृथ्वी पर जल का वितरण व स्थल का वितरण समान नहीं है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोधपरीक्षण	पृथ्वी का निर्माण कितने वर्ष पूर्व हुआ	500 करोड़ वर्ष पूर्व।
	हमारी पृथ्वी के धरातल पर विविध प्रकार के स्थल रूप पाए जाते हैं। यहाँ ऊँचे पर्वत तथा गहरी घाटियाँ, विस्तृत मैदान तथा उच्च भूमि व पठार फैले हुए हैं। इन स्थलरूपों तथा उच्च भूमि आकृतियों की विविधता ने इस ग्रह (पृथ्वी) पर लोगों के फैलाव व उनकी गतिविधियों को प्रभावित किया है। पृथ्वी के धरातल की ऊँचाइयों व निचाइयों को सम्मिलित रूप से उच्चावच कहते हैं। इसे समुद्र तल को आधार मानकर मापा जाता है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोधपरीक्षण	पृथ्वी के धरातल पर क्या पाए जाते हैं?	विविध प्रकार के स्थल रूप।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	पृथ्वी की आंतरिक संरचना का पता भूकंपीय तरंगों से लगाया जाता है। जिन्हें हम सिस्मिक तरंगे भूकम्प के उदगम केन्द्र से उत्पन्न होती है इनकी गति उन पदार्थों पर निर्भर करती है जिनसे होकर ये गुजरती है। पी॰ तरंगे (प्राथमिक तरंगे) एस॰ तरंगे (गौण तरंगे) इनके माध्यम से हम पृथ्वी के आंतरिक भागों का पता लगाते हैं। पृथ्वी की मुख्य तीन परते हैं– भूपर्पटी ऊपरी मैंटल और नीचला मैंटल आंतरिक क्रोड व बाह्य क्रोड	सभी का ध्यानपूर्वक सुनेंगे लिखेंगे
बोध परीक्षण	पृथ्वी की मुख्य कितनी परते हैं?	मुख्य तीन परते
	एक पतली ठोस परत पृथ्वी को बाहर से घेरे हुए है। इस परत को भूपर्पटी कहते है। भूपर्पटी की मोटाई भिन्न भिन्न स्थानों पर भिन्न २ होती है। समुद्र की तलहटी का निर्माण करने वाली भूपर्पटी प्राय ५ से ७ कि॰मी॰ मोटी होती है जबकि महाद्वीपों की भूपर्पटी औसत रूप से ३५ कि॰मी॰ मोटी होती है। शैलसमूह इस भूपर्पटी का निर्माण करती है।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	भूपर्पटी के नीचे एक बहुत मोटी परत पाई जाती है जिससे मैंटल कहते हैं। मैंटल 2900 कि॰मी॰ तक पाई जाती है परंतु पूरा मैंटल सर्वत्र एक-सा नहीं होता। 100 कि॰मी॰ तक भाग ऊपरी मैंटल कहलाता है। 100 कि॰मी॰ के नीचे आंतरिक मैंटल कहलाता है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण	भूपर्पटी की मोटाई कितनी है?	5 से 7 कि॰मी॰
	पृथ्वी के भीतर वाला भाग क्रोड कहलाता है। इसका अर्धव्यास 3570 कि॰मी॰ होता है। इसे दो भागों में बाँटा जाता है :→ बाह्य क्रोड (ii) आंतरिक क्रोड लोहा व निकल के क्रोड का निर्माण करते हैं। खनिज, पैट्रोलियम, गैस व पैट्रोलियम तेल भी हमें आंतरिक क्रोड से प्राप्त होते हैं। जब हम भूपर्पटी को खनिजों के लिए खोदते हैं तो धरातल के निकट भागों की अपेक्षा नीचे के भागों में शैलें अधिक गर्म पाई जाती हैं। पृथ्वी की इस गर्मी से ज्वालामुखी पर्वतों का निर्माण होता है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।

पुनरावृत्ति :→

पृथ्वी का निर्माण कितने वर्ष पूर्व हुआ ?

पृथ्वी की बाह्य परत को क्या कहते हैं ?

पृथ्वी की निचली परत से हमें क्या प्राप्त होता है ?

गृहकार्य :→

सभी बच्चों को पृथ्वी की तीनों परतों का सम्पूर्ण अध्ययन करना है।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No :...7...

Date: 3/12/2010 | Duration of the period: 35 मिनट

Pupil Teacher's Name: Kavita | Pupil Teacher's Roll No.: 509

Class: IXth | Average Age of the pupils: 14 वर्ष

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: राजा राम मोहन राय

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी राजा राम मोहन राय की सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी राजा राम मोहन राय का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी राजा राम मोहन और उसकी गतिविधियों में संबंध बताने की योग्यता रखते होंगे।

4 विद्यार्थी राजा राम मोहन राय द्वारा किए गये कार्यों को बताने की योग्यता रखते होंगे।

→

5 विद्यार्थी राजा राम मोहन की जीवनी से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी राजा राम मोहन राय के कार्यों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

→

7 विद्यार्थी राजा राम मोहन राय के जीवन का विश्लेषण कर सकेंगे

8 विद्यार्थी उनके द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

→

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, चार्ट, मॉडल, संकेतक।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, संकेतक, मॉडल

पूर्वज्ञान परीक्षण :->

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बच्चों भारत के कुछ प्रसिद्ध समाज सुधारकों के नाम बताओ	स्वामी दयानन्द, अम्बेडकर, छोटू महात्मा गांधी आदि।
समाज सुधारकों का हमारे देश में महत्वपूर्ण स्थान क्यों है ?	समाज सुधारकों ने अपने कठिन परि से समाज में व्याप्त कुरीतियों का खण्ड करके समाज तथा देश का भविष्य उन्न किया।
एक ऐसे समाज सुधारक का नाम बताओ जिसने नारी के उत्थान पर बल दिया ?	असंतोषजनक उत्तर

उद्देश्य कथन :->

अच्छा बच्चों आज हम राजा राममोहन राय के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :->

विषयवस्तु

भूमिका :->

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
राजा राममोहन राय का जन्म सन् 1772 ई० में हुआ था। इन्होंने अपने जीवन काल में अनेक समाज सुधारक कार्य किए। इन्होंने हिन्दू धर्म का गहराई से अध्ययन किया और भारतवर्ष में शिक्षा के प्रचार और प्रसार में अमूल्य योगदान दिया। राजाराम मोहन राय ने सामाजिक कुरीतियों पर विशेष ध्यान दिया और लॉर्ड विलियम बैंटिक को सती प्रथा को समाप्त करने में सराहनीय योगदान दिया।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	इन सब के अतिरिक्त एकेश्वर का प्रचार करने के लिए राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की। इस समाज ने बंगाल प्रांत में विशेष उन्नति की। श्रीयुत केशवचन्द्र सेन (1838-1884 ई०) ने ब्रह्म समाज में पदार्पण किया तो और अधिक प्रगति होने लगी। ब्रह्म समाज के समर्थक मूर्ति पूजा को निरर्थक समझते थे और जाति-पिता में विश्वास नहीं रखते थे। विधवा विवाह, नारीजाति की स्वतंत्रता में विश्वास रखते थे।	
बोध परीक्षण	ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की	राजाराम मोहन राय ने।
राममोहन राय एक समाज सुधारक के रूप में :→	राजा राममोहन राय की ख्याति मूलत उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के कारण ही भारत में फैली और वह जन-जन के नायक बन बैठे। उन्होंने भारत में सामाजिक क्रांति का सूत्रपात किया। इस क्रांति को शुरू करने की प्रेरणा उन्हें भारतीय समाज में बढ़ती स्वार्थपरता, धर्मांधता रूढ़िवादिता से मिली जिसने भारतीय समाज को रूढ़ियो अथवा बंधनों में जकड़ लिया था। राजा राम मोहन राय ने तत्कालीन कुप्रथाओ व कुरीतियो का विरोध तथा मुस्लिम शासन की ऐसी विनाशकारी देन की जम कर आलोचना की।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्राचीन परम्पराओं के अंधानुकरण का विरोध :→	राय ने अनुभव किया कि भारतीय समाज में आई गिरावट का एक प्रमुख कारण भारतीयों द्वारा प्राचीन परम्पराओं का अंधा अनुकरण करना है। प्रायः समाज में जो कोई कार्य एक समय किसी विशेष परिस्थितियों में हो जाता है। आगे भी जनता के द्वारा बिना सोचे समझे उसे जारी रखा जाता है। उनका विचार था कि यह बात किसी भी दृष्टि से उचित नही है।	
मूर्ति पूजा का विरोध :→	राय जी हिन्दू समाज के समस्त दोषों का मूल कारण मूर्ति-पूजा को मानते थे इसलिए उन्होंने मूर्ति-पूजा का विरोध किया। उनका तर्क था कि मूर्ति पूजा ने असंख्य विभाजन और उपविभाजन उत्पन्न करके हिन्दू समाज की जड़ों पर कुठाराघात किया।	
सती प्रथा का उन्मूलन :→	उस समय भारतीय समाज विशेषतः हिन्दुओं में कई बुराईयाँ आ गई थी जिसमें सती-प्रथा प्रमुख थी। इस प्रथा के कारण प्रतिवर्ष हजारों स्त्रियों को स्वेच्छा से या बलपूर्वक सती होने के लिए विवश किया जाता था। यह अमानवीय प्रथा हमारे देश में शताब्दियों से चली आ रही थी और इसके उन्मूलन के लिए अथक प्रयास किया। फलस्वरूप विलियम बैंटिक ने 1829 में एक आदेश जारी करके सती प्रथा को अवैध किया।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
नारीउत्थान पर बल :→	राय ने महसूस किया कि तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति बहुत दयनीय थी। इसके विरोध में अपने विचार प्रकट करते हुए राय लिखते हैं कि जिस समाज में प्राचीन काल से नारी को अर्द्धांगिनी माना जाता था और जिसके अभाव में कोई भी धार्मिक कार्य पूर्ण नहीं समझा जाता था कैसे उस नारी की इस समय स्थिति दयनीय हो सकती है।	
बोध परीक्षण	सती प्रथा पर कब रोक लगाई गई?	१८२९ ई० मे
स्त्रीजाति के गौरव पर बल	राय ने स्त्रियों को सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें अपने इतिहास व धार्मिक ग्रन्थों के प्रमुख स्त्री पात्रों द्वारा किए गए आश्चर्यजनक कार्यों से परिचित करवाया कि अतीत में हिन्दू स्त्रियों को समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त था।	
शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी	राय ने अपनी शिक्षा सबंधी नीति व विचारों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी रखने का सुझाव दिया था। राय ने स्वयं अंग्रेजी भाषा के अध्ययन द्वारा कई यूरोपीय विद्वानों के चिंतन का अध्ययन किया।	

पुनरावृत्ति :→

राजा राम मोहन राय का जन्म कब हुआ ?

राजा राममोहन ने नारी उत्थान के लिए कौन से कार्य किए ?

राजा राम मोहन राय ने शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बनाने पर विशेष बल क्यों दिया ?

गृहकार्य :→

राजा राम मोहन राय सच्चे अर्थों में एक समाज सुधारक थे। टिप्पणी कीजिए।

निरीक्षक टिप्पणी :→

B.B. work was good.

Rajbala

हस्ताक्षर

Lesson No : 8

Date 4/12/2010 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 10th | Average Age of the pupils 16 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic भारतीय अर्थ व्यवस्था

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

1 विद्यार्थी भारतीय अर्थ व्यवस्था की विशेषताएँ पहचानने की योग्यता रखते होंगे।

2 विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताओं का सामान्यीकरण कर सकेंगे।

4 :- विद्यार्थी अर्थव्यवस्था के विषय में निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

5 :- विद्यार्थी भारतीय अर्थ व्यवस्था की विशेषताएँ बताने की योग्यता रखते होंगे।

6 :- विद्यार्थी ~~भारतीय~~ अर्थ व्यवस्था का विश्लेषण कर सकेंगे।

7 :- विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, ~~संकेतक, चार्ट आदि~~।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, संकेतक।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भारत कैसा देश है ?	विकासशील देश ।
हमारे देश में गरीबी क्यों है?	आय में कमी के कारण ।
भारतीय अर्थव्यवस्था से क्या अभिप्राय है ?	असंतोषजनक उत्तर

उद्देश्य कथन :-

अच्छा बच्चों आज हम भारतीय अर्थव्यवस्था के विषय में अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भारतीय अर्थव्यवस्था	भारतीय अर्थव्यवस्था ~~प्राथमिक~~ विकासशील अर्थव्यवस्था है। यद्यपि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था पिछड़ी है लेकिन अब यह गरीबी के दुश्चक्र से बाहर है। यहाँ की कुल कार्यशील जनसंख्या का लगभग 52% भाग आज कृषि में लगा हुआ है	सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	जबकि सकल घरेलू उत्पाद में कृषि-क्षेत्र का योगदान 17.8% है। भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की विशेषताओं को निम्नलिखित बिन्दुओं में अलग-अलग प्रस्तुत किया है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण	सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान कितने प्रतिशत है?	सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 17.8% है।
ग्रामीण तथा कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था	स्वतंत्रता के 60 वर्ष बाद भी भारत की 52% श्रमशक्ति कृषि क्षेत्र में लगी हुई है तथा राष्ट्रीय आय में इतना योगदान लगभग 17.8% है। इसके आधार पर कहा जा सकता है कि भारतीय अर्थ-व्यवस्था अभी भी कृषि प्रधान है।	
बोध परीक्षण:	भारत की कितने प्रतिशत श्रमशक्ति कृषि में लगी हुई है?	52%

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं
मिश्रित अर्थ व्यवस्था :-	भारत ने अपने विकास के लिए मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया है ताकि इसका समाजवादी लक्ष्य पूरा हो सके अपने सम्पूर्ण योजनाकाल मे सरकार ने लगभग 45% पूंजी सार्वजनिक क्षेत्र मे निवेश किया है।	बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण	भारत ने कैसी अर्थव्यवस्था को अपनाया है ?	भारत ने अपने विकास के लिए मिश्रित अर्थ-व्यवस्था को अपनाया है।
	सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र मे कितने प्रतिशत पूंजी निवेश किया है ?	सरकार ने सार्व-जनिक क्षेत्र मे 45% पूंजी निवेश किया है।
	परन्तु उत्पादन के स्रोतो और साधनो पर आज भी निजी क्षेत्र का (लगभग 80%) बना हुआ है।	

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
अल्प विकसित अर्थ व्यवस्था	भारतीय अर्थ व्यवस्था के अल्प विकसित होने की पुष्टि निम्न तथ्यों से की जा सकती है बेरोजगारी का स्तर काफी ऊँचा है। सन २००४-२००५ में बेरोजगारी की संख्या ३४.७४ मिलियन है। पूँजी व संसाधनो की न्यूनता है तथा सकल घरेलू बचत की दर काफी नीची है। घरेलू बचत की दर ३७.७% के आस-पास रही है।	बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेगें व लिखेंगे
बोधपरीक्षण	सन् २००४-०५ में बेरोजगारी की संख्या कितनी थी?	३४.७४ मिलियन
	निर्धनता रेखा से नीचे की जनसंख्या आबादी का लगभग २१.७% है। विश्व बैंक की विश्व विकास सूचक शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार विश्व की १.३ अरब निर्धन जन संख्या का सर्वाधिक ३६% भाग भारत में है। इस निर्धन की आय एक डालर प्रतिदिन से भी कम है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेगे।

पुनरावृत्ति :—

- भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले कुल आबादी का लगभग कितना प्रतिशत है?
- भारत कितने प्रतिशत कृषि क्षेत्र में कार्य कर रहा है?
- सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान कितने प्रतिशत है?

गृहकार्य :—

- अर्थ व्यवस्था से क्या तात्पर्य है? भारतीय अर्थ-व्यवस्था की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

निरीक्षक टिप्पणी :—

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No : 9

Date 6/12/2010 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 9th | Average Age of the pupils 15 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic मौलिक अधिकार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :—

1 :— विद्यार्थी मौलिक अधिकारों को जानने की योग्यता रखते होंगे।

2 :— विद्यार्थी मौलिक अधिकारों का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 — विद्यार्थी मौलिक अधिकारों का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 — ~~विद्यार्थी मौलिक अधिकारों का~~

5 — विद्यार्थी मौलिक अधिकारों से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

6 — विद्यार्थी मौलिक अधिकारों की आवश्यकता बताने की योग्यता रखते होंगे।

7 — विद्यार्थी मौलिक अधिकारों का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 — विद्यार्थी मौलिक अधिकारों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री —— श्यामपट्ट, चॉक, झाडन, संकेतक, ~~चार्ट, मॉडल आदि~~।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, मॉडल, संकेतक

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हमारा देश कब स्वतंत्र हुआ?	15 अगस्त 1947 को।
अधिकार किसे कहते है?	हमारे लोगों, हमारे समाज, हमारी सरकारी से जो दावा होता है, अधिकार हैं।
मौलिक अधिकारों किसे कहते है?	संतोषजनक उत्तर नहीं दिया

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम मौलिक अधिकार के विषय में अध्ययन करेंगे

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	प्रत्येक देश के नागरिक के कुछ अधिकार होते है, इनमें से कुछ अधिकार व्यक्ति के जीवन में बहुत आवश्यक होते हैं। येन सिर्फ लोकतांत्रिक अधिकार/सरकार को चलाने के लिए बल्कि ये व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करने के लिए आवश्यक होते हैं।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
मौलिक अधिकार :	संविधान के द्वारा जो अधिकार हमें प्राप्त है। उन्हें मौलिक अधिकार कहते हैं। भारतीय संविधान के अनुसार नागरिक को छ: मौलिक अधिकार प्राप्त हैं।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
समानता का अधिकार :	इस अधिकार के अनुसार कानून के समक्ष सभी समान हैं। कानून धर्म, जाति रंग और मत के अनुसार कोई भेद-भाव नहीं होता है सरकारी पदों पर योग्यताओं के अनुसार रखा जाता है कानून सबकी बराबर रक्षा करता है इस अधिकार में सब समान रूप से देखे जाते हैं।	
बोध परीक्षण :	मौलिक अधिकार किसे कहते हैं?	संविधान द्वारा जो अधिकार हमें प्राप्त हैं, उन्हें मौलिक अधिकार कहते हैं।
	संविधान के अनुसार नागरिक को कितने मौलिक प्राप्त हैं?	छ: मौलिक अधिकार प्राप्त हैं।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
स्वतंत्रता का अधिकार	इस अधिकार में व्यक्ति अपने विचार स्वतंत्रता पूर्वक व्यक्त कर सकता है। यह कोई भी संघ या संस्था बना सकता है। स्वतंत्रता से कहीं भी आ जा सकता है। भारत को किसी भी कोने में जा कर नौकरी या व्यापार कर सकता है। वह अपनी इच्छा अनुसार कोई भी व्यवसाय चुन सकता है	सभी बच ध्यान पूर सुनेंगे लिखेंगे
बोध परीक्षण	स्वतंत्रता के अधिकार में व्यक्ति क्या कर सकता है?	इस अधिक व्यक्ति भा किसी भी क भ्रमण कर स
शोषण के विरुद्ध अधिकार:	इस अधिकार के अन्तर्गत व्यक्ति को किसी का शोषण करने का अधिकार नहीं है। शोषण से बचने के लिए भारतीय नागरिकों को निम्न लिखित अधिकार प्राप्त हैं। मनुष्य को खरीद पर रोक, 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम करवाने पर रोक, इस प्रकार कोई भी व्यक्ति दूसरों पर जबरदस्ती कोई काम सौंप नहीं सकता। ऐसा करने से सरकार उसे दण्ड देती है।	सभी बच ध्यानपूर्व सुनेंगे व

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार:	भारतीय संविधान ने सभी धर्मों के नागरिकों को पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक व्यक्ति को अपना कोई भी धर्म अपनाने की स्वतंत्रता है और वह खुले दिल से उसका प्रचार या प्रसार कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म के अनुसार पूजा व उपासना करने का अधिकार है।	सभी बच[illegible] ध्यानपू[illegible] सुनेंगे
बोध परीक्षण	संविधान के अनुसार हम कितनी उम्र से कम बच्चों से काम नहीं करवा सकते है?	14 वर्ष के [illegible] आयु के क[illegible] से।
संस्कृति एवं शिक्षा का अधिकार	भारत के सभी नागरिकों के संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार दिया है। सभी नागरिकों को अपनी संस्कृति की सुरक्षा करने का पूर्ण अधिकार है। वह शिक्षा कभी ले सकता है। किसी भी उम्र में शिक्षा प्राप्त कर सकता है।	
बोध परीक्षण	धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में व्यक्ति क्या कर सकता है?	व्यक्ति अपने धर्म का प्रचार व प्रसार कर सकता है।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार:	भारतीय संविधान में नागरिकों को मौलिक कर्तव्य की रक्षा करने का अधिकार दिया गया है कि वह अपने मौलिक कर्तव्य की रक्षा करने के लिए न्यायालय में जाकर अपील कर सकता है।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे

पुनरावृत्ति :→

संविधान द्वारा हमें जो अधिकार प्राप्त हैं, उन्हे क्या कहते हैं ?
मौलिक अधिकार कितने प्रकार के होते
शोषण के विरुद्ध अधिकार में कौन-से अधिकार प्राप्त हैं ?

गृहकार्य :→

मौलिक अधिकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala
हस्ताक्षर

Lesson No : 10

Date 7/12/2010

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita

Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 10th

Average Age of the pupils 16 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic भारत में कृषि के पिछड़े होने के कारण

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1. विद्यार्थी कृषि को पहचानने की योग्यता रखते होंगे।
2. विद्यार्थी कृषि का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।
3. विद्यार्थी कृषि का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
4. ~~विद्यार्थी कृषि का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।~~
5. विद्यार्थी कृषि का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।
6. विद्यार्थी मानव जीवन में कृषि के महत्व को बताने की योग्यता रखते होंगे।
7. विद्यार्थी कृषि का विश्लेषण कर सकेंगे।
   विद्यार्थी कृषि का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → 8. श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, ~~चार्ट, संकेतक~~

~~संकेतक~~।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, संकेतक, मॉडल

पूर्वज्ञान परीक्षा :->

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भारत की अधिकतर जनसंख्या कहाँ रहती है ?	गाँव में ।
भारत के गाँव में लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है ?	कृषि ।
भारत में कृषि के पिछड़ेपन का क्या कारण है ?	बच्चों ने संतोषजनक उत्तर नहीं दिया ।

उद्देश्य कथन :->

अच्छा बच्चों आज हम कृषि के पिछड़ेपन के के विषय में अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :->

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रस्तावना:	भारत एक कृषि प्रधान देश है । इसकी 72% जनसंख्या गाँव में तथा लोग गाँव में काम करते हैं । कृषि सभी उद्योगों की जननी और मानव जीवन का पोषण रही है । यह सभी विज्ञानों, कलाओं की सिर मौर सभ्यता का प्रतीक और प्रगति का सूचांक माना गया है ।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	हमारी भारतीय कृषि पिछड़ी हुई है जिसके निम्न कारण है:-	
बोध परीक्षण	भारत की कितने प्रतिशत जनसंख्या गाँव में निवास करती है?	72%
लगातार खेती	लगातार खेती का अर्थ है कि एक भूमि पर बार-बार खेती करना। भारत में हजारों वर्षों से खेती हो रही है। लगातार खेती से भूमि की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है।	सभी छा ध्यानपूर्व सुनेगे।
पुरानी तकनीक	पुरानी तकनीक का अर्थ है कृषि में पुरानी विधियों का प्रयोग करना। लोग पुरानी एवं रूढ़िवादी परम्पराओं और विचारधारा के कारण कृषि की पुरानी विधियों का प्रयोग करते हैं।	
बोध परीक्षण	पुरानी तकनीक का क्या अर्थ है?	कृषि में पुरानी विधियों का प्रयोग करना

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
सस्ते बीजों का प्रयोग :-	किसान सस्ते बीजों का प्रयोग करते हैं जिससे कृषि उपज भी कम हो जाती है और फसल में बिमारी लगने की सम्भावना रहती है ।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे
शिक्षा की कमी	ग्रामीण क्षेत्रों में रहने के कारण अधिकतर किसान अशिक्षित होते हैं जिससे वे नई तकनीकों, अच्छे किस्म के बीजों के ज्ञान में अपरिचित रहते हैं ।	
बोध परीक्षण	सस्ते बीजों के प्रयोग से किसकी सम्भावना रहती है ?	सस्ते बीजों के प्रयोग से फसल में बिमारी लगने की सम्भावना रहती है।
प्राकृतिक अभाव :-	प्राकृतिक अभाव वे होते हैं जो प्रकृति द्वारा होते है न कि मनुष्य द्वारा। जैसे -> कभी किसी क्षेत्र में वर्षा होती है कहीं अकाल पड़ जाता है। अकाल, बाढ, वर्षा यह सभी प्राकृतिक देन है।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
खेती का आकार छोटा :→	भारत में खेती का आकार बहुत छोटा है जिसके कारण वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग नहीं पाता।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगे।
अच्छी खादों का प्रयोग न होना	ग्रामीण क्षेत्रों में किसानो की स्थिति अच्छी नही होती है जिसके कारण वे उन्नत किस्म के खादों का प्रयोग नही कर पाते।	
सिंचाई के साधन	भारत में आज भी कृषि क्षेत्र का बहुत बड़ा भाग वर्षा पर आधारित है। वर्षा के समय पर न आने से फसल खराब हो जाती है जिससे कृषि कम हो जाती है।	
बोध परीक्षण	किसान कैसे बीजों का प्रयोग करता है?	सस्ते बीजों
	किसान कैसी विधियों का प्रयोग करता है?	पुरानी विधि का।
बंजर भूमि :→	भारत के बहुत बड़े भाग की भूमि बंजर पड़ी हुई है जिसके कारण उस पर खेती करना संभव नहीं है।	

पुनरावृत्ति :→

कृषि कार्यों में कितने प्रतिशत जनसंख्या कार्यरत है?

कृषि में पिछड़ेपन के कोई तीन कारण बताइए।

सिंचाई के साधन कृषि को कैसे प्रभावित करते है?

गृहकार्य :→

सभी बच्चे भारत में कृषि के पिछड़ेपन के कारणों का विस्तार से वर्णन करे।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Chart was used.
Presentation was good.

Rajkala
हस्ताक्षर

Lesson No : 11

Date 8/12/10 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 9th | Average Age of the pupils 15 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic संसद

अनदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी संसद के विषय में जानते होगें।

2 विद्यार्थी ससंद का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होगें।

3 विद्यार्थी ससंद के अर्थ को बताने की योग्यता रखते होगें।

4 विद्यार्थी ससंद और नागरिकों के संबंध बताने की योग्यता रखते होगें।

5 विद्यार्थी संसद का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होगें।

6 विद्यार्थी ससंद के गठन का कारण बताने की योग्यता रखते होगें।

7 विद्यार्थी ससंद का विश्लेषण कर सकेगें। विद्यार्थी संसद का मूल्यांकन कर सकेगें।

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, डाइन, ~~चार्ट, संकेतक, मॉडल~~।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, संकेतक, मॉडल

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
राज्य स्तर पर कानून बनाने वाली संस्था को क्या कहते है ?	विधान पालिका ।
विधान पालिका के कितने सदन होते है ?	दो सदन ।
पूरे देश का कानून बनाने वाली संस्था कौन सी है ।	बच्चों ने सही उत्तर नही दिया

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम संसद के विषय में विस्तारपूर्वक वर्णन करेगें ।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~ छात्र क्रियाएँ
		छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगे व लिखेगे

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~
संसद :→	बच्चो जिस प्रकार राज्य में कानून बनाने के लिए विधान पालिका होती है। उसी प्रकार केन्द्रीय स्तर पर कानून बनाने के लिए संसद होती है इसे पार्लियामेंट भी कहते है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगे व लिखेंगे।
संसद के सदन	संसद के दो सदन होते हैं। लोकसभा और राज्यसभा लोकसभा को निम्न सदन कहते हैं और राज्य सभा को उच्च सदन कहते है।	
बोध परीक्षण :	संसद के कितने सदन होते हैं ?	दो सदन
लोकसभा की रचना :→	बच्चो लोक सभा में अधिकतम 550 सदस्य चुने जाते है। इसमें 20 सदस्य अधिक से अधिक शासित क्षेत्रों से हो सकते हैं। राष्ट्रपति एंग्लो-इण्डियन समुदाय के दो सदस्यों को जो चुनाव में प्रतिनिधित्व न मिला हो तो मनोनीत कर सकता है और लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष होता है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
लोकसभा सदस्यों की योग्यताएं :→	लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए। उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो। इस में एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष होता है। दोनों का चुनाव संसद अपने ही सदस्यों में से करता है।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण :	राष्ट्रपति एंग्लो-इण्डियन के कितने सदस्यों को मनोनीत कर सकता है ?	दो सदस्यों को।
राज्य सभा की रचना :→	राज्य सभा में 250 सदस्य होते है। इसमें 238 राज्यों तथा संघ क्षेत्रों के प्रतिनिधि होते है। अन्य 12 सदस्यो को राष्ट्रपति मनोनीत करता है जो सदस्य साहित्य, कला, संगीत आदि के क्षेत्र में विशेष ख्याति रखते हैं। राज्य सभा का सदस्य बनने के लिए भारत का नागरिक होना आवश्यक है।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण :	राज्य सभा के सदस्यों की संख्या कितनी होती है ?	250

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	राज्य सभा के सदस्य बनने के लिए आयु 30 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। राज्य सभा एक स्थाई सदन है। इसके एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में रिटायर होते हैं। राज्य सभा के सदस्यों का कार्यकाल छः वर्ष का होता है	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे
बोध परीक्षण	लोक सभा का कार्य काल कितना होता है?	5 वर्ष
राज्यसभा सदस्यों की योग्यताएँ :	राज्यसभा का एक सभापति और एक उपसभापति होता है। भारत का उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है और उपसभापति का चुनाव अपने ही सदस्यों के सदन द्वारा किया जाता है	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
कानून निर्माण प्रक्रिया :→	लोकसभा, राज्य सभा का प्रमुख कार्य है- देश के लिए कानून बनाना। कानून बनाने के लिए एक प्रस्ताव को विधेयक के रूप में किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है। विधेयक दो प्रकार का होता है- साधारण विधेयक। वित्त विधेयक।	

पुनरावृत्ति :→

- संसद किससे मिलकर बनती है ?
- केन्द्र में कानून बनाने वाली संस्था को क्या कहते हैं ?
- साधारण विधेयक और वित्त विधेयक में क्या अन्तर है.

गृहकार्य :→

- संसद क्या है ? इसका विस्तारपूर्वक वर्णन करें तथा विषय से संबंधित चार्ट भी बनाए ।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Raj Kala

हस्ताक्षर

Lesson No : 12

Date 9/12/2010

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita

Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 7th

Average Age of the pupils 13 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic मिट्टी

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1. विद्यार्थी मिट्टी के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।
2. विद्यार्थी मिट्टी का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।
3. विद्यार्थी मिट्टी के विभिन्न प्रकारों का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
4. विद्यार्थी मिट्टी और कृषि मे संबंध बताने की योग्यता रखते होंगे।
5. विद्यार्थी मिट्टी से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।
6. विद्यार्थी मिट्टी की उपयोगिता को जानकर उसे अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
7. विद्यार्थी मिट्टी का विश्लेषण कर सकेंगे। विद्यार्थी मिट्टी का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री — चाक, श्यामपट्ट, डस्टर, चार्ट, ~~संकेतक~~, ~~मॉडल~~ आदि।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, मॉडल,

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पेड़-पौधों की वृद्धि में कौन-सा तत्व सहायक होता है ?	ह्यूमस
पेड़-पौधों की उर्वरता किस पर निर्भर करती है ?	मिट्टी की उर्वरता पर।
मिट्टी किसे कहते है ?	असंतोषजनक उत्तर

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम मिट्टी के विषय में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भूमिका :	भारत एक विशाल देश है। यहाँ के ऊँचावच - पर्वत, पठार व मैदानों में बहुत विविधता पाई जाती है। भारत का क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग K.M है। देश का 43% भाग मैदानी है जो हमें फसलों को उगाने के लिए सुअवसर प्रदान करता है। देश का लगभग 30% भाग पर्वतीय है। पर्वत हमें प्राकृतिक संसाधनों के रूप में वन और वन्य जीवन प्रदान करते हैं। पेड़-पौधे और फसलें मिट्टी की उर्वरता पर निर्भर करते हैं।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
मिट्टी :	पृथ्वी की भू-पर्पटी की सबसे ऊपरी परत जो महीन शैलचूर्ण से बनी है और पेड़-पौधों के उगने में सहायक है, मृदा कहलाती है। इसमें ह्यूमस नामक तत्व होता है जो पेड़-पौधों की वृद्धि में सहायक है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण	भारत का क्षेत्रफल कितना है?	32.8 वर्ग
मिट्टी के प्रकार	मिट्टी मुख्यत: छ: प्रकार की होती है :- जलोढ़ मिट्टी काली मिट्टी लाल मिट्टी लैटराइट मिट्टी पर्वतीय मिट्टी मरुस्थलीय मिट्टी	
जलोढ़ मिट्टी	इसे कॉप मिट्टी भी कहते हैं। यह मिट्टी नदियों द्वारा लाकर नदी-घाटियों, मैदानों तथा डेल्टाई प्रदेशों में बिछाई जाती है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा वनस्पति के अंशों की कमी होती है फिर भी यह बड़ी उपजाऊ है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व याद करेंगे।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
काली मिट्टी	इसे रेगड़ मिट्टी भी कहते है। इस मिट्टी का निर्माण ज्वालामुखी विस्फोट से हुआ है जिससे इसमें कई प्रकार के खनिज विद्यमान है। इसमें लोहा, मैग्निशियम, चूना तथा एल्यूमिनियम तत्व पाए जाते है।	
बोध परीक्षण	काली मिट्टी का अन्य नाम बताओ।	रेगड़ मिट्टी
लाल मिट्टी	इस प्रकार की मिट्टी मध्यप्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र से दक्षिण तक पाई जाती है। लाल मिट्टी का निर्माण रवेदार तथा रूपांतरित चट्टानों के अपक्षय एवं अपरदन सामग्री से प्राप्त हुआ है।	
लैटराइट मिट्टी	यह मिट्टी ईंटिया लाल रंग की होती है। इसका निर्माण मानसून जलवायु की विशिष्ट परिस्थितियों में होता है। कुछ भागों में यह मिट्टी कंकरीली एवं छिद्रयुक्त होती है। कृषि के लिए यह अधिक उपयोगी नहीं है परंतु इसमें घास तथा झाड़ियाँ खूब उगती है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक लिखेंगे।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पर्वतीय मिट्टी	यह मिट्टी हिमालय के पर्वतीय भागों में पाई जाती है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश में इन मिट्टियों का विस्तार मिलता है। अधिकांश पर्वतीय मिट्टी टर्शियरी युग की चट्टानों का का अपक्षय होने से बनी है। इस मिट्टी में जैविक अंशों की प्रधानता पाई जाती है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें व लिखेंगे।
मरुस्थलीय मिट्टी	इस प्रकार की मिट्टी में रेत की मात्रा अधिक तथा ह्यूमस की मात्रा कम पाई जाती है ~~इसलिए यह अधिक उपजाऊ नहीं होती~~। इस प्रकार की मिट्टी राजस्थान दक्षिणी पश्चिमी पंजाब, दक्षिणी पश्चिमी हरियाणा में पाई जाती है। जहाँ वर्षा कम होती है। जहाँ बालू के स्तूप बने रहते है। इसमें खनिज, नमक अधिक मात्रा में पाए जाते हैं परन्तु ये शीघ्र घुल जाते हैं।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें।
	किस प्रकार की मिट्टी में ह्यूमस की मात्रा कम पाई जाती है?	मरुस्थलीय मिट्टी में

पुनरावत्ति :→

भारत का क्षेत्रफल कितना है?

कपास की फसल के लिए कौन-सी मिट्टी उपयोगी है?

जलोढ़ मिट्टी कैसे क्षेत्रों में पाई जाती है?

गृहकार्य :→

मिट्टी किसे कहते है और यह कितने प्रकार की होती है। इसे विस्तार सहित याद करना है।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No : 13

Date 10/12/2010 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 7th | Average Age of the pupils 12 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic वनों के लाभ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी वनों के विषय में सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी वनों के लाभ का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी वनों के विषय मे उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 ~~विद्यार्थी वनों के लाभ~~

5 विद्यार्थी वनों के लाभ का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी वनों के लाभ को जानकर उसे अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

7 विद्यार्थी वनों के लाभ का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी वनों के लाभ का मूल्यांकन कर सकेंगे

सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चार्ट, मॉडल, संकलन~~ आदि।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, संकलन, मॉडल

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हमारी मूलभूत आवश्यकताएँ कौन सी है ?	जल, वायु, भोजन ।
हमें आक्सीजन कहाँ से प्राप्त होती है ?	वृक्षों से ।
वनों के विभिन्न लाभ बताओ ।	असंतोषजनक उत्तर ।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम वनों के लाभ के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	किसी भी देश की अर्थ व्यवस्था में वनों का बहुत योगदान है । वनों से देश की जलवायु, भूमि की बनावट, जनसंख्या के घनत्व आदि पर वनों का बहुत प्रभाव पड़ता है । प्राचीन समय में ग्रन्थों में भी वनों के महत्व के बारे में पता लगता है । पहले मनुष्य वृक्षों की पूजा करते थे ।	सभी छात्र मौन बैठेंगे ।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	वनों के कारण ही वर्षा होती है। जब जल से भरी हवा वनों के ऊपर से गुजरती है तो ठण्डी होकर खूब वर्षा करती है क्योंकि वनों के आस-पास का वातावरण आर्द्र तथा ठंडा होता है। देश के जिन भागों में वनों को काट दिया जाता है, वहाँ वर्षा कम होने लगती है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
	वनों से हमें जड़ी-बूटियाँ तथा दवाईयाँ भी मिलती हैं जैसे नीम, कीकर, बरगद, पीपल, इनसे हमें दवाईयाँ तथा जड़ी बूटियाँ मिलती है।	
	दवाइया पत्तियों से खाद तैयार होती है। वृक्षों की पत्तियाँ भूमि पर गिरकर सूखने के बाद खाद का काम करती है जिससे भूमि उपजाऊ बनती है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
	वन मरुस्थल को आगे बढ़ने से रोकते हैं, क्योंकि वृक्षों के कारण रेत उड़ नहीं पाती।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	वन देश की सुरक्षा का भी काम करते हैं। दूसरे देश के शत्रु इन वनों को आसानी से लांघ कर हमारे देश पर हमला नहीं कर सकते। भारत के उत्तर मे हिमालय पर्वत और उसके घने जंगल देश की प्राकृतिक सुरक्षा का काम करते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण	पत्तियाँ सूखकर किस रूप में तैयार हो जाती है?	खाद के रूप में।
	वनों से हमें उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राप्त होता है। रबड़ दिया सलाई बनाने के लिए लकड़ी, कई प्रकार के तेल, फर्नीचर, पेटियां तथा कपास आदि सभी कच्चे हैं जिससे उद्योगों मे विभिन्न वस्तुएं बनती हैं।	
	वृक्षों के पत्ते, गर्म वायु की गर्मी तथा ठण्डी वायु को ठंडक सोख लेते हैं जिससे तापक्रम सम बनता है।	
बोध परीक्षण	वनों से हमें कौन-कौन से फल मिलते है?	आम, अमरूद, केला, अनानास, पपीता, लीची।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	प्राचीन समय में मनुष्य पर ही पूरी तरह निर्भर था। वह कंद-मूल खाकर ही अपना पेट भरता था। ऋषि-मुनि फल खाकर ही अपना जीवन गुजारते थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
	वनों से हमें शुद्ध वायु मिलती है। वृक्ष ऑक्सीजन छोड़ते हैं तथा कार्बन-डाई-आक्साइड ग्रहण करते हैं जो कि सभी जीव-जन्तुओं तथा मानव के लिए बहुत लाभदायक है। अगर वृक्ष ही ना रहेंगे तो तो हमारा जीवन नष्ट हो जाएगा।	
बोधपरीक्षण	वन हमें कौन सी गैसे प्रदान करते हैं?	ऑक्सीजन गैस।
	वन वायु-प्रदूषण को कम करते हैं। वृक्ष वाहनों से निकालने वाली हानिकारक गैसों को ग्रहण कर लेते हैं तथा शुद्ध वायु प्रदान करते हैं इसलिए हमें सड़कों के किनारे ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने चाहिए।	

पुनरावृत्ति :→

वन वर्षा लाने में कैसे सहायक हैं ?

वन देश की सुरक्षा कैसे करते हैं ?

वनों से उद्योगों के लिए हमें कौन-२ सा कच्चा माल प्राप्त होता है।

गृहकार्य :→

वन हमारे सहायक हैं कैसे ? टिप्पणी कीजिए।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Chart was used.

हस्ताक्षर

Raj Bala

Lesson No : 14

Date: 11/12/2010

Duration of the period: 35 मिनट

Pupil Teacher's Name: Kavita

Pupil Teacher's Roll No.: 509

Class: 6th

Average Age of the pupils: 12 वर्ष

Subject: सामाजिक अध्ययन

Topic: आदि मानव

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1. विद्यार्थी आदि मानव की सामान्य जानकारी रखते होगें।
2. विद्यार्थी आदि मानव का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होगें।
3. विद्यार्थी आदि मानव का उदाहरण देने की योग्यता रखते होगें।
4. विद्यार्थी आदि मानव का सामान्यीकरण करने की योग्यता रखते होगें।
5. विद्यार्थी आदि मानव के जीवन से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होगें।
6. विद्यार्थी आदि मानव के जगंलो में रहने के कारण बताने की योग्यता रखते होगें।

सहायक सामग्री :→
सामान्य सामग्री →श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, ~~[illegible]~~
विशिष्ट सामग्री चार्ट, मॉडल आदि ।

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
आरम्भ में मानव कहाँ रहता था	गुफाओं में ।
आदि मानव का भोजन कैसा था?	आदि मानव कन्द-मूल, फल-फूल और पशु-पक्षिओं की मांस खाकर अपना पेट भरता था ।
आदि मानव का जीवन कैसा था?	असंतोषजनक उत्तर ।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम आदि मानव के विषय में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :→

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~ छात्र क्रियाएँ
आदि मानव	आदि मानव का जीवन बड़ा कठोर था। वह झोपड़ी या कच्चे मकान बनाकर नहीं रहता था वह पहाड़ों की गुफाओं में रहता था। वह पहाड़ों में ही अपना जीवन व्यतीत करता था उसे खेती का ज्ञान नहीं था। वह अपनी भूख पशु-पक्षियों के मांस और कन्द-मूल फल खाकर मिटाता था और शरीर को ढकने के लिए जानवरों की खाल और पत्तों का प्रयोग करता था क्योंकि उसे कपड़ा बुनने का ज्ञान नहीं था	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे
बोध परीक्षण	आदि मानव कहाँ रहता था?	गुफाओं में
हथियारों का प्रयोग	आदि मानव को आग नहीं था इसलिए वह अपने भोजन को बिना पकाए ही खा जाता था। आदि मानव जानवर के भय से झुण्ड बनाकर रहते थे तथा भोजन के लिए पशुओं का शिकार करने के लिए पत्थर के हथियारों का प्रयोग करते थे।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
आग की खोज :→	पत्थरों के हथियारों का प्रयोग करने के कारण उस युग को पाषण युग कहा जाता था। पत्थर को आपस में रगड़ने से आग का ज्ञान प्राप्त हुआ। आग से जंगली जानवर दूर भागते थे और आग से मांस को भूना जाने लगा। अतः आग से आदि मानव अपना भोजन पका कर खाने लगा।	सभी छात्र उत्साह पूर्वक सुनेगे।
बोध परीक्षण	आदि मानव को आग का ज्ञान कैसे हुआ?	पत्थरों को आपस में रगड़ने से आग का ज्ञान प्राप्त हुआ
खेती का ज्ञान	आज से दस हजार वर्ष पहले लोगों को खेती का ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने देखा कि जमीन पर पड़े बीज पानी पाकर अंकुरित हो रहे है। उन्होंने उस बीज को औजारों से जमीन में खोद कर दबाना शुरू कर दिया। इस प्रकार आदि मानव एक जगह पर रहने लगा।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
जानवर :	धीरे-धीरे आदि मानव को पशुओं का ज्ञान हुआ। अब उसने गाय, भैंस, बकरी, भेड़ कुत्ता आदि को पालना शुरू कर दिया जिससे मनुष्य को मांस, दूध, खाल आदि प्राप्त होने लगी और बैल उसके खेती करने के काम आने लगा।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण	आदिमानव एक स्थान पर कब रहने लगा ?	जब उसे कृषि का ज्ञान हुआ
चक्र की खोज :→	आदि मानव ने अग्नि तथा खेती करने के बाद उसने धीरे धीरे एक चक्र की भी खोज कर ली जिससे इनका जीवन प्रभावित होने लगा। पहले उनको एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए पैदल जाना पड़ता था। फिर चक्र की सहायता से आदि मानव ने दो पहिया बनाना सीख लिया।	

पुनरावृत्ति :→

आदि मानव का जीवन कैसा था ?

आदि मानव अपनी भूख कैसे मिटाता था ?

आदि मानव ने आग की खोज कैसे की ?

गृहकार्य :→

आदि मानव का जीवन कैसा था और उसे अपने जीवन में क्या सुधार किए विस्तार पूर्वक लिखें।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No :...15...........

Date 13-12-2010 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 10th Average Age of the pupils 16 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन Topic बैंको के लाभ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी बैंको के विषय मे सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी बैंको का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी बैंको के लाभ से संबंधित उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 विद्यार्थी बैंको के लाभों का सामान्यीकरण करने की योग्यता रखते होंगे।

5 → विद्यार्थी बैंको के लाभ से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी बैंको के लाभों को जानकर उसे अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

7 → विद्यार्थी बैंको के लाभ का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी बैंको के लाभ का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चार्ट, संकेतक~~

सामान्य सामग्री

विशिष्ट सामग्री ← मॉडल, चार्ट, संकेतक मॉडल आदि।

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
किसान क्रैडिट कार्ड से आप क्या समझते है?	किसान इसमें किसान क्रैडिट कार्ड से बैंकों से लोन लेते हैं।
उद्योगों के लिए धन कहाँ से प्राप्त होता है?	बैंकों से
बैंको के लाभ से आप क्या समझते है?	असंतोषजनक उत्तर।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम बैंको के लाभ के विषय में विस्तारपूर्वक वर्णन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भूमिका:	प्रत्येक देश के आर्थिक विकास मे बैंको का महत्व है। देश के उत्पादन व्यापार तथा उद्योग धन्धों का मुख्य केन्द्र बैंक ही है। बैंक निम्नलिखित तरीको से विकास मे सहायक होते है।	सभी छात्र मौन बैठेंगे।

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बैंको के लाभ :→	प्रत्येक देश के आर्थिक विकास में बैंको का बहुत अधिक महत्व है। देश के उत्पादन, व्यापार तथा उद्योग धन्धों का मुख्य केन्द्र बैंक ही है। बैंक निम्नलिखित तरीकों से आर्थिक विकास में सहायक होते हैं। व्यापार तथा उद्योगो के लिए वित्त बैंकों व्यापारियों व उद्योगपतियों को आवश्यक वित्त प्रदान करते हैं। बैंक उन्हें कम ब्याज एवं उचित समय पर देते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण	बैंक किसका केन्द्र होता है?	उत्पादन, व्यापार तथा उद्योग धंधोंका
पूंजी निर्माण को बढ़ावा	बैंक पूंजी निर्माण को बढ़ावा देने में सहायक है। बैंक लोगों की बचतों को जमा करके उन्हें निवेशकर्ताओं को उधार देते हैं।	
बोध परीक्षण	व्यापारियों व उद्योगपतियों को कौन ऋण देते हैं?	बैंक

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
मुद्रा का स्थानांतरण	प्रत्येक अर्थ-व्यवस्था में मुद्रा को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना पड़ता है। बैंक सुगमता से मुद्रा का हस्तांतरण कर सकते है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
एजेंसी कार्य :→	बैंक अपने ग्राहकों के एजेंट का कार्य भी करता है। ग्राहकों के लिए किराया खरीदता है। तथा बीमे की किश्ते इत्यादि से ऋण देता है।	
बोध परीक्षण	बैंक अपने ग्राहकों के लिए किसका एजेंट का। कार्य करता है?	
अन्य कार्य	मुद्रा प्रणाली में लोग बैंकिंग आदत को प्रोत्साहन विदेशी विनिमय की व्यवस्था करता है।	
आर्थिक विकास में योगदान	बैंको का आर्थिक विकास में निम्नलिखित योगदान है: – बैंक निष्क्रिय जमाओं को स्वीकार करते है।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रियाएं
पुंजी निर्माण	पूंजी निर्माण करते है। पूंजी निर्माण के फल-स्वरूप आर्थिक विकास की दर तीव्र होती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगे।
रोजगार :→	बेरोजगार युवा वर्ग इन बैंको से वंचित ब्याज की दर पर पर्याप्त मात्रा में साख प्राप्त करके स्वरोजगार की व्यवस्था करते हैं।	
बोध परीक्षण	बैंक सुगमता से किसका हस्तातरण कर सकते है?	मुद्रा का।
नव-प्रवर्तन को प्रोत्साहन	बैंक उद्यमियों को साख प्रदान करके नव प्रवर्तन को प्रोत्साहित करते है।	
मांग वृद्धि मे सहायक	अल्प विकसित देशों में लोगों की आय कम होती है। उनकी उप-भोक्ता मांग कम होती है। बैंक अपने ग्राहकों को उपभोक्ता वस्तुओं को खरीदने के लिए साख उपलब्ध करता है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगे।

पुनरावृत्ति :→

देश के उत्पादन में किसका योगदान महत्वपूर्ण है ?

बैंक पूंजी निर्माण में सहायक है।

बैंकों के लाभों का वर्णन कीजिए।

गृहकार्य :→

सभी बच्चे बैंकों के लाभ तथा आर्थिक [illegible] में बैंकों का योगदान के विषय में विस्तार [illegible] लिखेंगे।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajlaxmi

हस्ताक्षर

Lesson No : 16

Date 14-12-2010

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita

Pupil Teacher's Roll No. 509

Average Age of the pupils 12 वर्ष

Class 6th

Topic मानचित्र

Subject सामाजिक अध्ययन

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी मानचित्र को पहचानने की योग्यता रखते होंगे।

2 विद्यार्थी मानचित्र का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी मानचित्र एवं ग्लोब में अन्तर बताने की योग्यता रखते होंगे।

4 ~~विद्यार्थी मानचित्र का अर्थ बताने की योग्यता रखते होंगे।~~

5 विद्यार्थी मानचित्र का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी मानचित्र का महत्व बताने की योग्यता रखते होंगे।

7 विद्यार्थी मानचित्र का विश्लेषण कर सकेंगे। विद्यार्थी मानचित्र से संबंधित जानकारी का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~संकेतक, चार्ट मॉडल आदि।~~

विशिष्ट सामग्री → मॉडल, संकेतक, चार्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भारत कहाँ स्थित है ?	एशिया के उत्तरी गोलार्ध में
हम विश्व के विभिन्न देशों की स्थिति का ज्ञान कैसे हासिल करते है ?	ग्लोब और मानचित्र द्वारा
मानचित्र किसे कहते है ?	बच्चों ने असंतोषजनक उत्तर दिया ।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चो, आज हम मानचित्र और प्रकारों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :→

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
मान चित्र की परिभाषा	पृथ्वी के धरातल या उसके किसी एक भाग का चपटे तल पर मापक के अनुसार बनाया गया रेखाचित्र मानचित्र कहलाता है । मानचित्र का प्रयोग ग्लोब की तुलना में अधिक सुविधाजनक है । विभिन्न लक्षणों को दर्शाने के लिए भिन्न-२ मानचित्रों का प्रयोग किया जा सकता है ।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे ।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ग्लोब :→	पृथ्वी के प्रतिरूप को ग्लोब कहते हैं। यह पृथ्वी की तरह गोल होता है। हम एक बार में आधे ग्लोब को देख सकते हैं। ग्लोब पर पृथ्वी को दो रंगों में दिखाया गया है → नीला और सफेद रंग। नीला रंग पानी वाले भाग को तथा सफेद भाग भूमि अर्थात स्थल वाले भाग को दर्शाते हैं।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण	सब से पहला मानचित्र कब बनाया गया ?	2300 ई० पूर्व में
मानचित्र के तीन स्तंभ	मानचित्र के तीन स्तम्भ निम्न प्रकार से है :— दूरी दिशा चिह्न	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व अपनी कॉपी में लिखेंगे।
मानचित्र के प्रकार :	मानचित्र के मुख्य रूप से पाँच प्रकार होते हैं :— छोटे पैमाने के मानचित्र बड़े पैमाने के मानचित्र भौतिक मानचित्र वितरण मानचित्र विषयक मानचित्र	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
छोटे पैमाने के मानचित्र	जब एक बड़े क्षेत्र के मानचित्र को छोटे मानचित्र को छोटे मानचित्र पर दर्शाते है उसे छोटे पैमाने के मानचित्र कहते हैं जैसे :- भारत का मानचित्र।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेगे।
बड़े पैमाने के मानचित्र	जब एक छोटे क्षेत्र के मानचित्र को बड़े मानचित्र पर दर्शाते हैं। उसे बड़े पैमाने का मानचित्र कहते है जैसे दिल्ली के एक भाग को मानचित्र पर दर्शाना	
बोध परीक्षण	मानचित्र के तीन स्तंभ कौन से है ?	1. दूरी 2. दिशा 3. चिह्न
भौतिक मानचित्र :	यह वह मानचित्र होता है जो धरातल की विभिन्न स्थला-आकृतियों को जैसे मैदानो, खेतो, नदियों, पर्वत को दर्शाने वाला मानचित्र।	
वितरण मानचित्र	यह वह मानचित्र होता है जो किसी वस्तु, जैसे फसले, वर्षा, जनसंख्या आदि को दर्शाने वाला मानचित्र वितरण मानचित्र है।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं
विषयक मानचित्र:	यह वह मानचित्र होता है जो किसी विशिष्ट सूचना को दर्शाता है जैसे सड़क, पर्यटक स्थलों आदि।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
लाभ :→	मानचित्र के निम्नलिखित लाभ हैं	
स्थिति:	मानचित्र की सहायता से शहर तथा राज्य, कृषि क्षेत्र तथा औद्योगिक केन्द्र, मरुस्थल तथा समतल, विद्यालय तथा गिरजाघर इत्यादि की स्थिति के संबंध में जानकारी मिलती है।	
संबंध :	स्थिति, आकार तथा क्षेत्र के अलावा मानचित्र के द्वारा विभिन्न संबंधों को दर्शाया जाता है। एक नदी के किनारे पर झरने को देखकर हमें यह जानकारी मिलती है कि उन स्थानों पर उद्योगों का विकास किस कारण से होता है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
अनुभव:	एक प्रशिक्षित विद्यार्थी के लिए मानचित्र यात्रा, देखने, अधिगम प्राप्त करने, समझने के लिए आमंत्रण माना जाता है।	

पुनरावृत्ति :→

- मानचित्र किसे कहते है?
- मानचित्र कितने प्रकार के होते है?
- मानचित्र के लाभ बताइए।

गृहकार्य :→

- सभी बच्चे अपनी उत्तर पुस्तिका मे मानचित्र के विषय मे विस्तार वर्णन करेंगे लाएंगे।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Map was good.
H.W was given.

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No : 17

Duration of the period: 35 मिनट

Date: 15-12-2010

Pupil Teacher's Roll No.: 509

Pupil Teacher's Name: Kavita

Average Age of the pupils: 13 वर्ष

Class: 7th

Topic: राष्ट्रीय प्रतीक

Subject: सामाजिक अध्ययन

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

:→

1 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीक को पहचानने की सामान्य योग्यता रखते होंगे।

2 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीकों का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीको का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।

4 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीको की उपयोगिता बताने की योग्यता रखते होंगे।

5 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीकों का महत्त्व बताने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीक की उपयोगिता का निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।

7 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीक का विश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतीक की उपयोगिता का मूल्यांकन कर सकेंगे।

~~सहायक~~ सहायक सामग्री →

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चार्ट~~, ~~मॉडल संकेतक~~।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, संकेतक, मॉडल

पूर्वज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
हमारा देश कब स्वतंत्र हुआ ?	15 अगस्त 1947 को
हमारे देश के राष्ट्रीय ध्वज का क्या नाम है ?	तिरंगा
राष्ट्रीय चिह्नों को क्या कहते हैं?	संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भूमिका :	प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र के कुछ राष्ट्रीय प्रतीक होते हैं। ये प्रतीक हमारे राष्ट्र की पहचान है ~~जिसके कुछ राष्ट्रीय प्रतीक~~ हैं। यह हमारी स्वतंत्रता तथा सांस्कृतिक गरिमा के परिचायक है। राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्र गान, राष्ट्रीय चिह्न, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पशु पाँच ऐसे विशिष्ट राष्ट्रीय प्रतीक हैं जिनके माध्यम से भारत के राष्ट्रीय स्वरूप की पहचान होती है।	सभी बच्चे मौन बैठेंगे

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
राष्ट्रीय प्रतीक :→	हमारे राष्ट्रीय प्रतीक इस प्रकार है :– राष्ट्र ध्वज – तिरंगा राष्ट्र गान – जन गण मन राष्ट्रीय पशु – हाथी राष्ट्रीय पक्षी – मोर राष्ट्रीय चिह्न – सारनाथ के अशोक स्तम्भ	सभी बच्चे चुपचाप बैठेंगे
बोधपरीक्षण:	राष्ट्रीय प्रतीकों की कितनी संख्या है ?	पाँच
राष्ट्र ध्वज :	भारत ने तिरंगे झण्डे को राष्ट्र ध्वज के रूप में अपनाया। यह तिरंगा झंडा भारत के स्वाधीनता संग्राम में हमारे संघर्ष का प्रतीक था। राष्ट्र ध्वज मे सामान आकार की तीन पट्टियां हैं। झण्डे की लं इसकी चौड़ाई से डेढ़ गुना होती है। राष्ट्र ध्वज में केसरिया रंग त्याग, बलिदान और शौर्य का परिचायक है। ध्वज के बीच का सफेद रंग शांति सात्विकता और निर्मलता का द्योतक है। नीचे की हरी पट्टी हमारे देश के धन-धान्य धरती की उर्वरता और हरियाली का प्रतीक है।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं
बोध परीक्षण:	राष्ट्रध्वज में कितने रंग है ? रंगो के नाम बताओ।	तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा।
	सफेद रंग की पट्टी के बीच में चक्र है। इस चक्र में चौबीस अरे हैं। यह चक्र सारनाथ के अशोक स्तम्भ से लिया गया है। चक्र जीवन की गतिशीलता का प्रतीक है।	
ध्वज फहराने के नियम :->	राष्ट्रीय ध्वज फहराने के कुछ नियम है। सरकारी भवनों पर प्रात: काल से सायंकाल तक फहराया जाता है। सूर्यास्त के समय उतार लिया जाता है। राष्ट्रीय शोक के समय राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहता है।	
बोध परीक्षण:	केसरिया रंग किसका प्रतीक है ?	त्याग और बलिदान का।
राष्ट्रगान :	कविवर रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन-गण-मन' गीत हमारा राष्ट्रगान है। सभी मुख्य अवसरों पर राष्ट्रगान गाया जाता है।	

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
राष्ट्रगीत :	बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा लिखित 'वंदे मातरम्' गीत को राष्ट्र गीत का स्थान प्राप्त है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
राष्ट्रचिह्न :	राष्ट्रचिह्न सारनाथ के अशोक स्तम्भ से लिया गया है इसमें चार सिंह है, किंतु चित्र में केवल तीन सिंह ही दिखाई देते हैं। इसके नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा हुआ है जिसका अर्थ है- सत्य की सदा जीत होती है।	
राष्ट्रीय पक्षी :	हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है इसकी प्रजाति पावो क्रिस्टेटस है। 1972 में मोर को पूर्ण संरक्षण दिया गया है।	
बोधपरीक्षण :	हमारा राष्ट्रीय पशु कौन सा है?	बाघ
राष्ट्रीय फूल :	हमारा राष्ट्रीय फूल कमल है। यह देखने में अति आकर्षित होता है। कमल का फूल कीचड़ में उगता है। कीचड़ में उगने के पश्चात भी इसमें अनेक गुण विद्यमान हैं।	

पुनरावृत्ति :→

हमारे राष्ट्रध्वज में कितने रंग है ?

राष्ट्रगान किसके द्वारा लिखा गया है ?

भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन-सा है ?

गृहकार्य :→

सभी बच्चे राष्ट्रीय प्रतीकों के विषय में विस्तार पूर्वक लिखेंगे व इसे संबंधित एक चार्ट भी बनाएंगे।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkanlu

हस्ताक्षर

Lesson No : 18

Date 16-12-2010

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita

Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 6th

Average Age of the pupils 12 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन

Topic ग्राम पंचायत

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1. विद्यार्थी ग्राम पंचायत को पहचानने की योग्यता रखते होंगे।
2. विद्यार्थी ग्राम पंचायत की सामान्य जानकारी रखते होंगे।
3. विद्यार्थी ग्राम पंचायत का उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
4. विद्यार्थी ग्राम पंचायत का अर्थ बताने की योग्यता रखते होंगे।
5. विद्यार्थी ग्राम पंचायत के गठन का कारण बताने की योग्यता रखते होंगे।
6. विद्यार्थी ग्राम पंचायत के महत्व को जानकर उसे अपने दैनिक जीवन मे प्रयोग कर सकेंगे।
7. विद्यार्थी ग्राम पंचायत का विश्लेषण कर सकेंगे।
8. विद्यार्थी ग्राम पंचायत का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाडन, ~~संकेतक, चार्ट, मॉडल आदि~~ ।

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, माडल, संकेतक

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
आपके परिवार का मुखिया कौन है ?	दादाजी।
सरपंच और पंच मिलकर किसका निर्माण करते है ?	ग्राम पंचायत का।
ग्राम पंचायत क्या है ?	बच्चे मौन हैं।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम ग्राम पंचायत के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
ग्राम पंचायत	भारत की जनसंख्या का अधिकतर भाग गाँव में निवास करता है शहरों की अपेक्षा गाँव का विकास कम होता है और गाँव का विकास किए बिना हमारे देश का विकास हो नहीं सकता। गाँव के विकास के लिए हमारे गाँव में एक ग्राम पंचायत बनाई जाती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
संगठन:	वह संख्या जो गाँव के लोग कार्यों की देखभाल करती है, ग्राम पंचायत के नाम से जानी जाती है या जहाँ तक संभव हो सके तो 1000 या उससे अधिक की आबादी पर किसी ग्राम या ग्राम समूह के क्षेत्र को राज्य सरकार पंचायत घोषित कर सकती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे
बोधपरीक्षण	भारत में जनसंख्या का अधिकांश भाग कहाँ रहता है?	गाँव में
सदस्यों की संख्या	पंचायत के सदस्यों की संख्या कम से कम पाँच व अधिक से अधिक बीस होती है।	
निर्वाचन:	पंच लोगों के द्वारा ही चुना जाता है तथा उसी पंच में एक (मुखिया) सरपंच चुना जाता है। उसे पद से हटाया भी जा सकता है अगर पंचों की बहुमत संख्या उसके विरुद्ध अविश्वास मत पारित कर दे।	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बोधपरीक्षण	पंचायत के सदस्यों की संख्या कम से कम कितनी होनी चाहिए ?	कम से कम पाँच सदस्य
ग्राम पंचायत के कार्य :→	ग्राम पंचायत का मुख्य कार्य अपने गाँव का विकास करना होता है जैसे :- गलियों का निर्माण करवाना, नालियाँ बनवाना, पानी की व्यवस्था करना, गलियों में रोशनी का प्रबंध करवाना आदि। संक्षेप में ग्राम पंचायत के कार्य निम्न-लिखित है :-	
बोध परीक्षण	पंच किसके द्वारा चुना जाता है?	ग्रामवासियों के द्वारा।
सफाई की व्यवस्था :	ग्राम पंचायत सफाई का प्रबंध करती है। वह सार्वजनिक शौचालयों तथा गलियों एवं नालियों की सफाई करवाना भी ग्राम पंचायत का काम है।	
बोध परीक्षण	ग्राम पंचायत का चुनाव कितने वर्ष में होता है ?	पाँच वर्ष में

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	
रोशनी का प्रबंध:→	गाँव में बिजली की व्यवस्था करना चोरी, डकैती एवं रात की दुर्घटना को रोकने के लिए सार्वजनिक बिजली का प्रकाश करना ग्राम पंचायत का काम है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
पेयजल:	ग्राम पंचायत कुँओ की मरम्मत करवाता है तथा नए कुँओं का निर्माण कराता साथ ही नलों की व्यवस्था भी करवाता है।		
बोध परीक्षण	गाँव में पेयजल की व्यवस्था कौन करता है?	ग्राम पंचायत	
शिक्षा की व्यवस्था:	ग्रामीण पंचायत प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण, मरम्मत एवं पाठ्यसामग्री की सरकार के माध्यम से व्यवस्था करवाना।		
मनोरंजन:	बहुत सी पंचायतें अपने गाँव के पुस्तकालयों एवं बच्चों के लिए मनोरंजन के लिए व्यवस्था करना।		

पुनरावृत्ति :→

पचो का मुखिया क्या कहलाता है ?

ग्राम पंचायत का गठन किस आधार पर होता है ?

गाँव के विकास के लिए कौन कार्य करवाती है ?

गृहकार्य :→

सभी बच्चे अपनी नोट बुक मे पंचायत व उसके कार्यों को लिखकर लाएंगे व याद करके आएंगे ।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No : 19

Date 18-12-2010 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 9th | Average Age of the pupils 15 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic स्वामी दयानंद सरस्वती

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :→

1 विद्यार्थी स्वामी दयानंद सरस्वती को पहचानने की योग्यता रखते होंगे।
2 विद्यार्थी स्वामी दयानंद सरस्वती का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी स्वामी दयानंद सरस्वती से संबंधित उदाहरण देने की योग्यता रखते होंगे।
4 विद्यार्थी स्वामी दयानंद सरस्वती और उनकी शिक्षाओं में संबंध बताने की योग्यता रखते होंगे

5 विद्यार्थी स्वामी दयानंद के जीवन से निष्कर्ष निकालने की योग्यता रखते होंगे।
6 विद्यार्थी स्वामी दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे

7 → विद्यार्थी 'सरस्वती' के जीवन का विश्लेषण कर सकेंगे।
8 विद्यार्थी स्वामी दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री
सामान्य सामग्री → चॉक, श्यामपट्ट, झाड़न, श्यामपट्ट,
विशिष्ट सामग्री → संकेतक, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान परीक्षण :→

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पराधीन भारत में समाज में कौन-२ सी बुराइयाँ व्याप्त थी ?	सती प्रथा, बाल विवाह, जा[illegible] प्रथा, मूर्ति पूजा आदि ।
सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए किस-किस महापुरुष ने अपनी भूमिका निभाई ?	राम मोहन राय, महात्मा बुद्ध, महात्मा गांधी, छोट[illegible] आदि ।
एक ऐसे महापुरुष का नाम बताओ जिसने धार्मिक पुनर्जागरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया ?	असंतोषजनक उत्तर ।

उद्देश्य कथन :→

अच्छा बच्चों आज हम स्वामी दयानंद सर[illegible] के जीवन तथा उनके द्वारा किए धार्मिक पुनर्जागरण से संबंधित कार्यों का विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण :→

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भूमिका:	पराधीन भारत में जन जागरण, नारी जागरण, नारी शिक्षा का प्रचार-प्रसार, अनेक प्रकार की कुरीतियों के निवारण, और वैदिक आर्य धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य करने के कारण आर्य समाज जैसी संस्था का विशेष नाम, स्थान और महत्व स्वीकार किया गया है ।	सभी छात्र मौन बैठेंगे

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	इस संस्था की स्थापना स्वनाम धन्य समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा की गई। इसी कारण स्वामी दयानंद और आर्य समाज एक-दूसरे के पर्यायवाची बने रहे और सीमा तक आज भी जाने-माने जाते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण:	आर्य समाज के संस्थापक कौन थे?	स्वामी दयानंद
प्रारम्भिक जीवन	प्रमुख समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म काठियावाड़ गुजरात में स्थित मौरवी के टंकारा नाम गांव में १८२४ ई० में हुआ। इन का बचपन का नाम मूलशंकर था। इनके पिता का नाम करसन जी था जो एक बड़े जमींदार थे। इनके पिता भगवान शंकर के परमभक्त थे। अपने बालक मूलशंकर को भी उन्होंने सभी तरह की संभव एवं उचित शिक्षा दिलाने की व्यवस्था की। कुशाग्र बुद्धि बालक ने १४ वर्ष की आयु तक ही बहुत कुछ सीख और पढ़ लिया था।	
बोध परीक्षण:	स्वामी दयानंद के बचपन का क्या नाम था?	मूलशंकर।

छ छ क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
गृहत्याग :->	बालक मूलशंकर 16 वर्ष की आयु में बैरागी बन गए थे और 21 वर्ष की आयु में गृह त्याग कर घुमक्कड़ जीवन आरम्भ किया। एक दिन बालक मूलशंकर अपने पिताश्री के साथ शिवरात्रि का व्रत रखकर शिव मूर्ति के समीप रात्रि जागरण कर रहे थे कि अचानक उन्होंने देखा कि शिव लिंग पर चढ़कर एक चूहा बालक शिव पर चढ़ गया। प्रसाद, फल, लड्डू आदि कुतर-2 कर खा रहा था। तब बालक मूलशंकर के मन में प्रश्न था कि भगवान शंकर एक साधारण चूहे से अपने प्रसाद की रक्षा नहीं कर रहे है।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण:	बालक मूलशंकर कितने वर्ष की आयु में बैरागी बने ?	16 वर्ष की आयु में।
मन में दुविधा:	यह भगवान शिव आखिर कैसे भगवान है। बालक के अशांत मन मस्तिष्क से यह प्रश्न पिता के समान रखा तो डांट कर चुप करा दिया। बालक मूल शंकर इस प्रश्न के समाधान के लिए अशांति और क्षोभ बढ़ने लगा। इनकी दशा को देख माता-पिता इन्हें विवाह बंधन में बांधना चाहा, पर ऐन अवसर पर ये प्रश्न के समाधान की खोज में घरत्याग कर निकल पड़े।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।

6. क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
शिक्षा-दीक्षा:	इधर-उधर भटकते हुए बालक मूलशंकर की भेंट डंडी स्वामी पूर्णानंद सरस्वती से हुई। 24वर्ष की आयु में स्वामी पूर्णानंद सरस्वती से सन्यास ग्रहण कर डण्ड धारण किया और बालक मूलशंकर से स्वामी दयानंद सरस्वती हो गए। सन्यास ग्रहण करने के बाद स्वामी दयानंद इधर-उधर भ्रमण और प्रवचन करते हुए हरिद्वार में होने वाले कुम्भ मेले पर पहुँचे। वहाँ पाखण्ड खण्डिनी पताका गाड़ दी और पाखण्डों को जड़ मूल से उखाड़ फैंकने का संकल्प लेकर अन्य तीर्थों की यात्रा करने लगी।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण:	कितने वर्ष की आयु में स्वामी दयानंद ने सन्यास ग्रहण किया?	24 वर्ष की आयु में।
	1861 में दयानंद मथुरा में बृजानंद स्वामी से मिले। जिन्होंने उन्हें वेदों की दार्शनिक व्याख्याओं से अवगत कराया। तत्पश्चात स्वामी दयानंद सरस्वती वेदों की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार हेतु अग्रसर हुए।	

पुनरावृत्ति :→

- मूलशंकर का जन्म कहाँ पर हुआ ?
- आर्य समाज की स्थापना किसने की ?
- बालक मूलशंकर की बचपन की क्या घटना थी जिसने उनका जीवन ही बदल दिया ?

गृहकार्य :→

- स्वामी दयानंद की जीवनी का वर्णन अपने शब्दों में व्यक्त करो ।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Rajkala

हस्ताक्षर

Lesson No : 20

Date 19-12-2010 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Kavita | Pupil Teacher's Roll No. 509

Class 8th | Average Age of the pupils 14 वर्ष

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic हमारे चारों ओर की वायु

अनुदेशनात्मक सामग्री :

1 विद्यार्थी 'हमारे चारों ओर की वायु' की परिभाषा देने की योग्यता रखते होंगे।

2 विद्यार्थी हमारे चारों ओर की वायु का प्रत्यास्मरण करने की योग्यता रखते होंगे।

3 विद्यार्थी 'हमारे चारों ओर की वायु का सामान्यीकरण कर सकेंगे।

4 विद्यार्थी 'हमारे चारों ओर की वायु और मानव में संबंध बताने की योग्यता रखते होंगे।

5 विद्यार्थी वायु के महत्त्व को बताने की योग्यता रखते होंगे।

6 विद्यार्थी हमारे चारों ओर की वायु को अपने जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

7 विद्यार्थी हमारे चारों ओर की वायु का संश्लेषण कर सकेंगे।

8 विद्यार्थी हमारे चारों ओर की वायु का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री

सामान्य सामग्री → श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, ~~चार्ट, संकेतक,~~ ~~मॉडल आदि।~~

विशिष्ट सामग्री → मॉडल, चार्ट, संकेतक

पूर्वज्ञान परीक्षा :->

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पर्यावरण किसे कहते है ?	हमारे चारों तरफ का जो आवरण ढका हुआ है, वह पर्यावरण है।
पर्यावरण के कितने घटक है ?	चार।
वायुमण्डल किसे कहते है ?	असंतोषजनक उत्तर।

उपविषय की घोषणा :->

बच्चों आज हम अपने चारो ओर की वायु के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :->

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
भूमिका	क्या आपने कभी सोचा है कि वायु न होती तो कैसी स्थिति होती। यदि वायु न होती तो सौर परिवार के अन्य ग्रह की भाँति हमारी पृथ्वी पर भी जीवन सम्भव नहीं होता परंतु	सभी बच्चे मौन होंगे।

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	हमारा ग्रह गैसों की एक सुरक्षा वाली परतों से ढका हुआ है इन गैसों के बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे।
वायुमंडल का संघटन	वायुमण्डल जिसमें हम साँस लेते हैं कोई एक गैस नहीं बल्कि अनेक गैसों का मिश्रण है। यद्यपि वायु में मिलने वाली गैसों का मिश्रण समय व स्थान के साथ बदलता है परंतु वायु के तीन मुख्य संघटक हैं। नाइट्रोजन ऑक्सीजन कार्बन डाइ ऑक्साइड कुछ मात्रा में जलवाष्प धूल, आर्गन, हीलियम, मिथेन आदि भी होते हैं।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे
नाइट्रोजन	नाइट्रोजन वायु में सर्वाधिक पाई जाती है। यह वायु के पूरे आयतन का 78% है। जब हम साँस लेते हैं तो फेफड़ों में कुछ नाइट्रोजन भी लेते हैं फिर उसे बाहर निकाल देते हैं परंतु पौधों को अपने जीवन के लिए नाइट्रोजन की आवश्यकता होती है। वे वायु से नाइट्रोजन सीधे नहीं ले पाते।	

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	मृदा तथा कुछ पौधों की जड़ों में रहने वाले जीवाणु वायु से नाइट्रोजन लेकर इसका प्रयोग करते है।	
ऑक्सीजन :	ऑक्सीजन वायु में प्रचुरता से मिलने वाली दूसरी गैस है। आयतन में यह वायु की 21% है। मनुष्य तथा पशु सांस लेने में ऑक्सीजन प्राप्त करते हैं। हरे पौधे प्रकाश-संश्लेषण द्वारा ऑक्सीजन की मात्रा समान बनी रहती है। वृक्ष काटने से यह संतुलन बिगड़ जाता है। वृक्ष काटने से पहले नए वृक्ष लगाने चाहिए।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।
बोध परीक्षण	वायुमण्डल में नाइट्रोजन की मात्रा कितनी है ?	78%
कार्बनडाइ-आक्साइड व अन्य गैसें :-	वायु में कम मात्रा में पाई जाने वाली गैसें आरगन, हीलियम, मिथेन है परंतु कार्बनडाई आक्साइड जो वायु का केवल 0.03% है। यह वायु का प्रमुख घटक है। हरे पौधे भोजन के रूप में कार्बनडाई-आक्साइड का प्रयोग करते हैं और आक्सीजन वापिस देते हैं। मनुष्य तथा पशु कार्बनडाई आक्साइड बाहर निकालते हैं। मनुष्य तथा	

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रिया
	पशुओं द्वारा बाहर निकालने वाली कार्बनडाइ-आक्साइड की मात्रा पादपों द्वारा प्रयोग की जाने वाली गैस के बराबर होती है जिससे वायुमण्डल में संतुलन बना रहता है।	सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे
जलवाष्प	जलवाष्प वायु का एक अन्य घटक है जो जलवायु संबंधी परिवर्तनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।	
वायुमण्डलीय दाब तथा तापमान :	हम पृथ्वी के वायुमण्डल की तह पर रहते हैं। जहाँ ऊपर की वायु के भार के कारण दाब सर्वाधिक होता है। वायुदाब को बैरोमीटर यंत्र द्वारा मापा जाता है तो वायुदाब कम होता जाता है। विभिन्न ऊँचाईयों पर तापमान में परिवर्तन होने के कारण वायुमण्डल को कई परतों में बाँटा गया है। क्षोभ मण्डल। समताप मण्डल। ओजोन परत। आयन मण्डल।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।

पुनरावृत्ति :→

वायुमण्डल में कौन-कौन सी गैसे हैं?

वायुमण्डल में ऑक्सीजन की कितनी मात्रा है ?

वायुमण्डल की परतों के नाम बताओ।

गृहकार्य :→

वायुमण्डल की गैसों का सम्पूर्ण अध्ययन करके आना है।

निरीक्षक टिप्पणी :→

Overall teaching was good.

Rajkaler

हस्ताक्षर

DISCUSSION LESSON - II

Lesson No :..................

Date..

Duration of the period..

Pupil Teacher's Name..

Pupil Teacher's Roll No..

Class..

Average Age of the pupils..

Subject..

Topic..

अनुदेशनात्मक उद्देश्य ⇒

1 विद्यार्थी 1857 की क्रान्ति की सामान्य जानकारी रखते होंगे।

2 विद्यार्थी 1857 की क्रान्ति की प्रत्यास्मरण करने के योग्य होंगे

3 विद्यार्थी 1857 की क्रान्ति का उदाहरण समझने योग्य होंगे

4 विद्यार्थी 1857 की क्रान्ति का संबंध बताने योग्य होंगे।

5 विद्यार्थी 1857 की क्रान्ति का निष्कर्ष निकालने के योग्य होंगे।

6 विद्यार्थी 1857 की क्रान्ति के अनुभव को दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

7 विद्यार्थी 1857 की क्रांति का विश्लेषण कर सकेंगे
विद्यार्थी 1857 की क्रांति का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सहायक सामग्री
सामान्य सामग्री → चाक डस्टर, श्यामपट्ट

~~चाक, डस्टर, श्यामपट्ट, चार्ट, मॉडल~~

विशिष्ट सामग्री → चार्ट, मॉडल, संकेतक

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-

छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
⇒ ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना कब हुई?	1600 ई० में
⇒ अंग्रेज भारत में किस उद्देश्य से आये थे?	व्यापार करने के उद्देश्य से
1857 ई० की क्रान्ति के विषय में बताइये?	असंतोष जनक उत्तर प्राप्त किया।

उद्देश्य कथन :—

अच्छा बच्चो आज हम 1857 की क्रांति के विषय में अध्ययन करेंगे।

[छात्र क्रियाएँ]

प्रस्तुतीकरण →

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1857 की क्रान्ति	1857 ई० के आस-पास भारतीय जनता अंग्रेजों के अन्याय से तंग आ चुकी थी उनके द्वारा शोषण के कारण उनके मन में अंग्रेजों के प्रतिशोध तथा असंतोष की भावनाएं धीरे-2 सुलग रही थीं. इन्हें भड़काने के लिए एक चिंगारी का काम किसकी आवश्यकता थी	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।

छात्र क्रियाएँ

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	~~छात्र क्रियाएँ~~
बोध परीक्षण —	उस चिंगारी का काम किसने किया था?	चिंगारी का काम चर्बी वाले कारतूस ने किया।
क्रान्ति के कारण —	यही 1857 की क्रांति भारतीय स्वतंत्रता का पहला संग्राम था। इस क्रान्ति के कारण कौन से थे, इस बारे में निम्नलिखित है राजनैतिक कारण आर्थिक कारण सामाजिक कारण धार्मिक कारण	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण —	लैप्स की नीति किसने चलाई थी	लार्ड डलहौजी ने
लैप्स की नीति	लैप्स की नीति लार्ड डलहौजी ने चलाई. इसमें अंग्रेजों ने देशी शासकों की रियासतों को अपने शासन में मिला लिया. परिणामस्वरूप नाना-साहब, झांसी की रानी, बहादुर शाह आदि शासक अंग्रेजों के विरुद्ध हो गए।	

द त्रिपाठी

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्रक्रियाएं
	वे अंग्रेजो से बदला लेने की सोचने लगे।	
बोधपरीक्षण	1857 की क्रांति भारतीय स्वतंत्रता का पहला संग्राम था उसकी क्रान्ति के कारण कौन से थे?	(1) राजनैतिक कारण (2) आर्थिक कारण (3) सामाजिक कारण (4) धार्मिक कारण
पेंशन छिनना तथा सैनिक द्वारा विद्रोह	देशी रियासतों के राजाओं की पेंशन तथा अन्य सेवाएं समाप्त कर दी गई तथा सैनिक अंग्रेजो से बदला लेने के लिए विद्रोहियों से जा मिले।	
व्यापारिक कारण –	भारत का सारा व्यापार अंग्रेजो के हाथों मे था। भारतीय व्यापारियों को व्यापारिक सुविधाए प्राप्त नहीं थी। परिणाम स्वरूप भारत के उद्योगों को बहुत हानि पहुँची, भारतीय व्यापारियों की आर्थिक दशा बिगड़ गई। भारतीय व्यापारी इस दशा के लिए अंग्रेजो को उत्तरदायी ठहराते थे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगे और महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं को ध्यान पूर्वक सुनेगें।

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएँ
आम जनता का शोषण	अंग्रेजो ने भारतीय जनता पर अनेक प्रकार के कर लगाए और कई प्रकार से उनका आर्थिक शोषण किया इसीलिए उनके मन में अंग्रेजो के प्रति घृणा और द्वेष की भावना बढ़ने लगी	
जागीर छिनना —	बंगाल और दक्षिण के बहुत से जागीरदारों से उनकी जागीरें छीन ली इसीलिए जागीरदार अंग्रेजो के विरुद्ध हो गए।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।
बोध परीक्षण—	विभिन्न रियासतों को हड़पने के बाद अंग्रेजो ने वहाँ के कर्मचारियों के साथ कैसा बर्ताव किया?	कर्मचारियों की पेंशन बंद कर दी, तथा नौकरी से हटा दिया।
सामाजिक तथा धार्मिक कारण —	अंग्रेजो ने भारतीयों के सामाजिक और धार्मिक जीवन में दखल देना आरम्भ कर दिया। इसीलिए भारतीय सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध हो गए।	

छा. क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बोधपरीक्षण -	'सैनिक कारण' कौन-२ से थे?	बुरा व्यवहार किया जाता था और उन्हें कम वेतन मिलता था।
सैनिक कारण -	भारतीय सैनिकों के साथ अंग्रेजों का व्यवहार अच्छा नहीं था, उनको कम वेतन दिया जाता था। भारतीय सैनिकों को ऊँचे पद पर नहीं रखा जाता था। अवध का अंग्रेजी शासन में विलय के कारण वहाँ के सैनिक भड़क सके। लार्ड कैनिंग के समय में एक कानून पास हुआ, जिसके अनुसार भारतीयों को समुद्र पार भेजे जाने लगा। इसे भारतीय सैनिक अपने धर्म के विरुद्ध मानते थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे
बोध परीक्षण -		

छात्र क्रियाएँ

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
तात्कालिक कारण →	1857 की क्रान्ति का प्रमुख तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस थी इनको भारतीय सैनिको को मुँह से काटना पड़ता था। इनके ऊपर सुअर और गाय की चर्बी लगी होती थी जोकि भारतीयों की पवित्र पशु थी। सैनिको ने इनका प्रयोग करना मना कर दिया और विद्रोह कर दिया।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा महत्वपूर्ण तथ्यों को ध्यान पूर्वक लिखेंगे।
बोध परीक्षण	1857 की प्रमुख घटनाएँ कौन सी थी?	मंगल पाण्डे की हत्या
प्रमुख घटनाएं तथा केन्द्र →	⇒ मंगल पाण्डे और विद्रोह का पहला विस्फोट ⇒ मेरठ और दिल्ली में विद्रोह ⇒ लखनऊ और कानपुर, मध्य भारत में विद्रोह	

पुनरावृत्ति :-

→ 1857 की क्रांति के कारण क्या थे?

⇒ राजनैतिक कारण कौन से थे?

⇒ लैप्स की नीति क्या थी?

⇒ भारतीय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख घटनाएँ कौन सी थी?

गृहकार्य ⇒

घर से 'भारतीय प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के तात्कालिक कारण विस्तार से लिख कर आए।

निरीक्षण टिप्पणी :—

Rajkala

हस्ताक्षर

OBSERVATION LESSONS

Observation Lesson No. 1

Date................................ Duration of the period 35 mins.

Pupil Teacher's Name Mamta Shukla Pupil Teacher's Roll No. 614

Class 7th. Average Age of the pupils 12 yrs.

Subject Hindi Topic संज्ञा

1. उचित समय पर छात्र-अध्यापक द्वारा उपविषय की घोषणा की गई।
2. रोचक प्रश्नों द्वारा पाठ प्रारम्भ किया गया।
3. आवाज स्पष्ट थी।
4. कक्षा में अनुशासन था।
5. अन्त में गृह कार्य भी दिया गया।

Kavita Rajkala

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 2

Date................................ Duration of the period 35 min.

Pupil Teacher's Name Nita Pupil Teacher's Roll No. 681

Class 7th. Average Age of the pupils 14th.

Subject Homescience Topic family Budget

1. छात्र अध्यापक द्वारा उचित समय पर उपविषय की घोषणा की गई।

कक्षा में अनुशासन था।

छात्र अध्यापक आत्म-विश्वास से परिपूर्ण था।

पाठ को आगे बढ़ने के लिए चार्ट का प्रयोग किया गया

छात्र-अध्यापक द्वारा पुनरावृत्ति भी की गई।

अन्त में गृहकार्य दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 3

Date...

Duration of the period 35 min.

Pupil Teacher's Name वंदना

Pupil Teacher's Roll No. 609

Class 7th.

Average Age of the pupils 12 yrs.

Subject हिन्दी

Topic निबन्ध

1. सरल प्रश्नों द्वारा पाठ प्रारम्भ किया गया।
2. आवाज़ स्पष्ट थी।
3. चाक बोर्ड का उचित प्रकार से प्रयोग किया गया।
4. अन्त में पुनरावृत्ति भी की गई।
5. छात्रों को गृहकार्य दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 4

Date...

Duration of the period 35 mins.

Pupil Teacher's Name Abhishek

Pupil Teacher's Roll No. 596

Class 8th

Average Age of the pupils 13 yrs.

Subject Hindi

Topic अलंकार

1. प्रस्तुतीकरण अच्छा था।
2. बीच-बीच में बोध परीक्षण किया गया।
3. चाक बोर्ड का प्रयोग किया गया।
4. गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 5

Date.............................

Duration of the period.... 35 min

Pupil Teacher's Name.... Ajay

Pupil Teacher's Roll No.... 609

Class.... 8th

Average Age of the pupils.... 13 yrs.

Subject.... Sanskrit

Topic.... Poem

बच्चों का पूर्वज्ञान परीक्षण किया गया।

आवाज स्पष्ट थी।

कक्षा में अनुशासन था।

अन्त में पुनरावृत्ति भी की गई।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 6

Date.............................

Duration of the period.... 35 min.

Pupil Teacher's Name.... Neelam

Pupil Teacher's Roll No.... 516

Class.... 9th.

Average Age of the pupils.... 14 yrs.

Subject.... S.ST.

Topic.... Human Rights

प्रभावपूर्ण ढंग से पाठ का आरम्भ किया गया।

सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

प्रवाहपूर्ण भाषा का प्रयोग किया गया।

अन्त में गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (7)

Date.................................... Duration of the period 35 mins.

Pupil Teacher's Name Kuldeep Pupil Teacher's Roll No. 580

Class 10th. Average Age of the pupils 16th.

Subject SST Topic Types of forest.

1. विभिन्न उदाहरणों द्वारा पाठ का आरम्भ किया गया।
2. पूर्वज्ञान परीक्षण भी अच्छा था।
3. आवाज स्पष्ट थी।
4. कक्षा में अनुशासन था।

Kavita
Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (8)

Date.................................... Duration of the period 35 mins.

Pupil Teacher's Name Sonu Pupil Teacher's Roll No. 579

Class 10th. Average Age of the pupils 16th yrs.

Subject SST. Topic Environment.

1. प्रस्तुतीकरण अति उत्तम था।
2. आवाज स्पष्ट थी।
3. बीच-बीच में बोध परीक्षण किया गया।
4. बच्चों को गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita
Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 9

Date

Pupil Teacher's Name Sachin

Class 7th.

Subject S.ST

Duration of the period 35min.

Pupil Teacher's Roll No. 572

Average Age of the pupils 11yrs.

Topic Maanchitra (Globe)

1. सरल प्रश्नों के द्वारा पाठ का आरम्भ किया गया।
2. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
3. आवाज में उचित उतार-चढ़ाव था।
4. प्रस्तुतीकरण बहुत अच्छा था।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 10

Date

Pupil Teacher's Name Suneel Kumar.

Class 10th.

Subject Hindi

Duration of the period 35min.

Pupil Teacher's Roll No. 610

Average Age of the pupils 16yrs.

Topic poem

1. पाठ-योजना अच्छी थी।
2. पूर्वज्ञान परीक्षण भी किया गया।
3. कक्षा में अनुशासन था।
4. अन्त में पुनरावृत्ति भी की गई।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (11)

Date..................... Duration of the period 35 min.

Pupil Teacher's Name Neelam Panwar Pupil Teacher's Roll No. 517

Class 10th Average Age of the pupils 15 yrs.

Subject Homescience Topic Food & Nutritions.

1. विभिन्न उदाहरणों द्वारा पाठ को आरम्भ किया गया।
2. भाषा स्पष्ट थी।
3. कक्षा में अनुशासन था।
4. अंत में गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (12)

Date..................... Duration of the period 35 min.

Pupil Teacher's Name Ramjeet Yadav Pupil Teacher's Roll No. 555

Class 9th. Average Age of the pupils 15 yrs.

Subject English Topic Tense

1. प्रस्तुतीकरण अच्छा था।
2. पूर्वज्ञान परीक्षण भी किया गया।
3. बीच-बीच में बोध परीक्षण भी किया गया।
4. पुनरावृत्ति भी की गई।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 13

Date.................................... Duration of the period 35 mins.

Pupil Teacher's Name Sarita Pupil Teacher's Roll No....................

Class 10th. Average Age of the pupils 16 yrs.

Subject English. Topic Story

1 पाठ योजना अच्छी थी।

2 आवाज स्पष्ट थी।

3. पुनरावृत्ति भी की गई।

4. गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 14

Date.................................... Duration of the period 35 mins.

Pupil Teacher's Name Neelam Panwar. Pupil Teacher's Roll No. 517

Class 10th. Average Age of the pupils 16 yrs.

Subject Home Science. Topic Human Skelton.

सरल प्रश्नों के द्वारा पाठ का आरम्भ किया गया।

प्रस्तुतीकरण योजनापूर्ण तरीके से किया गया।

सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

अन्त में गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (15)

Date ....

Duration of the period .... 25 min.

Pupil Teacher's Name .... Mamta Shukla.

Pupil Teacher's Roll No. 614

Class .... 9th.

Average Age of the pupils .... 15 yrs.

Subject .... S.S.T

Topic .... Human Rights

उचित समय पर छात्र अध्यापक द्वारा उद्देश्य कथन की घोषणा की गई।

रोचकपूर्ण प्रश्नों से पाठ का आरम्भ किया गया।

आवाज स्पष्ट थी।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (16)

Date ....

Duration of the period .... 35 mins.

Pupil Teacher's Name .... Lalita

Pupil Teacher's Roll No. 656

Class .... 10th.

Average Age of the pupils .... 16 yrs.

Subject .... English.

Topic .... Essay

विभिन्न उदाहरणों द्वारा पाठ का आरम्भ किया गया।

आवाज स्पष्ट थी।

कक्षा में अनुशासन था।

अन्त में गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 17

Date..................................... Duration of the period 35 mins.

Pupil Teacher's Name Sonu Pupil Teacher's Roll No. 579

Class 7th. Average Age of the pupils 11 yrs.

Subject English Topic Poem.

पाठ योजना अच्छी थी।

सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

कक्षा में अनुशासन था।

अन्त में पुनरावृत्ति भी की गई।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 18

Date..................................... Duration of the period 25 mins.

Pupil Teacher's Name Rekha Pupil Teacher's Roll No. 607

Class 7th. Average Age of the pupils 11 yrs.

Subject English Topic Present Perfect Continuous tence.

प्रस्तुतीकरण अच्छा था।

बीच-बीच में बोध परीक्षण किया गया।

पुनरावृत्ति की गई।

अन्त में गृहकार्य भी दिया गया।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (19)

Date: 19/12/2010 | Duration of the period: 35 min.
Pupil Teacher's Name: Nitu | Pupil Teacher's Roll No.: 680
Class: 8th | Average Age of the pupils: 14 yrs.
Subject: Homescience. | Topic: Home furnishing

1. उचित समय पर छात्र अध्यापक द्वारा उद्देश्य कथन की घोषणा की गई।
2. रोचक प्रश्नों से पाठ का आरम्भ किया गया।
3. कक्षा में अनुशासन था।

Kavita

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. (20)

Date: 20/12/2010 | Duration of the period: 35 min.
Pupil Teacher's Name: Vandna | Pupil Teacher's Roll No.: 605
Class: 8th. | Average Age of the pupils: 14 yrs.
Subject: Homescience | Topic: milk

1. छात्राध्यापिका में पूर्ण आत्म-विश्वास था।
2. पाठ-योजना अच्छी थी।
3. आवाज स्पष्ट थी।
4. अन्त में गृहकार्य दिया गया।

Kavita

Rajbala

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor